डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22 वर्ष : 08 अंक : 35 मूल्य: 5 रुपए पृष्ठ : 08

शिखर दृष्टि जीवन की... साप्ताहिक समाचार पत्र

हिलव्यू समाचार

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

जयपुर ≫ सोमवार, 07 मार्च, 2022

hillviewsamachar@gmail.com

विश्व विरासत के संरक्षण फंड के करोड़ों रुपए डूब जाएंगे अवैध निर्माण के कूड़े में

एक तरफ़ मुख्यमंत्री बजट में विश्व विरासत के संरक्षण के लिए करोड़ों रुपये प्रस्तावित करते हैं और दूसरी तरफ़ हेरिटेज जयपुर कॉलेज (नानाजी की हवेली) हथौड़ों से होती जा रही है ज़मींदोज़...

दुसह दुराज प्रजानु को क्यों न बढ़ै दुख-दंदु।
अधिक अन्धेरो जग करैं मिल मावस रवि चंदु ।।

व्याख्या: अर्थात जिस राज्य में दो शासक होंगे उस राज्य की प्रजा सदैव दुखों से घिरी रहेगी क्योंकि लोगों को एक नहीं बल्कि दो दो राजाओं की अनुमति माननी पड़ेगी इसके अलावा दोनों शासकों की सेवा भी करनी होगी, जिससे लोगों को दोहरा दुख होगा। ठीक उसी प्रकार जैसे सूर्य तथा चन्द्रमा अमावस्या के समय एक साथ मिलकर संपूर्ण सृष्टि को अंधेरे में डूबो देते हैं।

2019

2022

एक तरफ़ सुनहरे बजट में स्वर्ण अक्षरों में विरासत के संरक्षण रखरखाव के लिए हमारे माननीय मुख्यमंत्री ने बजट में करोड़ों रुपये का हेरिटेज फंड प्रस्तावित किया है। इस संबंध में जोधपुर में उपखंड कार्यालय खुलेगा। इसके लिए फागी में राजस्व अपील अधिकारी न्यायालय भी खुलेगा। इस दोहरे शासन के चलते परिणाम सुखद कैसे आ सकते हैं यह एक सोचनीय विषय है। माननीय मुख्यमंत्री जी पहले मटके के छेदों की मरम्मत करिये तब ही इस फंड का सदुपयोग हो सकेगा अन्यथा इस फंड के खण्ड (मलाई) को खाने को भी ये माफ़िया लालायित हो उठे हैं।

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। चारदिवारी परकोटा जयपुर कॉलेज (नाना जी की हवेली) चौड़ा रास्ता जो कि 250 वर्ष पुरानी हवेली थी और विश्व विरासत की सूची में शामिल है, वह अब अपनी वास्तविक पहचान खोकर नवनिर्मित होकर पाँच मंज़िला होने को है, इस हवेली में लगातार हथौड़े चल रहे हैं। इन हथौड़ों ने इस विश्व धरोहर को अंदर से ज़मींदोज़ कर दिया है तो क्या बजट में करोड़ों का हेरिटेज सरंक्षण व रखरखाव फंड क्या मात्र एक छलावा होगा? सीमेंट व कंक्रीट के साथ पाँच मंजिला जंगल हवेली के अंदर उग गया है। इसी तरह अन्य कई लगातार होते अवैध निर्माण विश्व धरोहरों को धूल में मिला रहे हैं। ध्वस्त होती विश्व विरासतों के संरक्षण के लिए सरकार को चेतावनी का कार्य लगातार हिलव्यू समाचार कर रहा है। विश्व विरासत के रूप में परकोटा यूनेस्को की सूची में 2020 में शामिल किया गया। जिसका प्रमाण पत्र स्वायत्त शासन मंत्री शांति धारीवाल ने अपने कर कमलों से थामा भी, किंतु हिलव्यू समाचार द्वारा लगातार सरकार को चेतावनी देने के बावजूद भी परकोटे में होते यह अवैध निर्माण इस बात का सबूत है कि विश्व विरासत हो या धरोहर इनका भ्रष्टाचार में कोई स्थान नहीं। लगातार अवैध निर्माण हो रहे हैं, कॉम्प्लेक्स बन रहे हैं, ऊँची इमारतें बन रही हैं और बड़े-बड़े मंत्री, विधायक, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी इसमें लिप्त हैं और तो और साझेदार भी हैं।

राजस्थान उच्च न्यायालय के आदेशों उड़ी रही धज्जियाँ

राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर ने डीएलबी सिविल रिट पिटीशन संख्या 15318/2013 सुओ मोटो बनाम स्टेट ऑफ राजस्थान के माध्यम से एक एडवोकेट पैनल की याचिका के तहत निर्णय सुनाते हुए मनीराम जी की कोठी, हल्दियों का रास्ता सहित 143 अवैध कॉम्प्लेक्सों को ध्वस्त करने का आदेश दिया था। जिसमें नगर निगम हेरिटेज के तात्कालीक आयुक्त विजय पाल सिंह ने राजस्थान उच्च न्यायालय को ध्वस्तीकरण हेतु शपथ पत्र भी दिया था। एक वर्ष के भीतर यह 143 अवैध कॉम्प्लेक्स ध्वस्त होने थे किन्तु आज तक कोई भी कार्रवाई नहीं हुई। **इस अंक में आदेश की तारीख से तीन माह में ध्वस्त होने वाली प्रथम सूची प्रकाशित की जा रही है जो कि दिसम्बर 2019 में ध्वस्त हो जानी थी जो कि 18 सितम्बर 2019 को ध्वस्तीकरण का आदेश उच्च न्यायालय द्वारा दिया गया था।** आदेश के प्रथम तीन माह में प्रथम सूची में दर्ज अवैध कॉम्पलेक्स जिनमें मकान नं. 458-59, रामगंज बाजार, म. नं. 458 आबू हवेली, घाटगेट, म.नं. 190 एवं 196, म. नं. 175-176, कुंज बिहारी म. नं. 984, म.नं. 152-153, मुर्शरफा चौक हल्दियों का रास्ता, म. नं. 410, राधा गोविन्द कॉप्लेक्स, कानोता हवेली, मनीराम जी की कोठी, 244, सीतापुरा हाऊस, रिद्धीसिद्धि कॉप्लेक्स, 436 ठाकुर पचेवर का रास्ता, घाटगेट, म.नं. 1873-74, पंचायती मस्जिद मौहल्ला महावतान, स्वर्ण भूमि कॉम्पलेक्स दड़ा मार्केट, म.नं. 1907-08 धाबाई जी का खुर्रा शामिल हैं। उस दौरान यह कॉम्पलेक्स हवा महल जोन पूर्व में आते थे जो कि अब किशनपोल जोन नगर निगम हेरिटेज में आते हैं। सूची में प्रथम पंक्ति अंकित है कि परकोटे क्षेत्र में चिन्हित अवैध भवनों की यह प्रथम चरण की प्रथम सूची पूर्णतः अवैध काम्पलेक्स की सूची है जिसे तुरन्त प्रभाव से नगर निगम हेरिटेज द्वारा ध्वस्त किया जाना था किन्तु ढाई साल गुजर जाने के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। **आगामी अंक में द्वितीय सूची प्रकाशित की जायेगी जिसे द्वितीय चरण में प्रथम चरण की पूर्णता के तीन माह बाद यानि छह माह बाद ध्वस्त किया जाना प्रस्तावित था।**

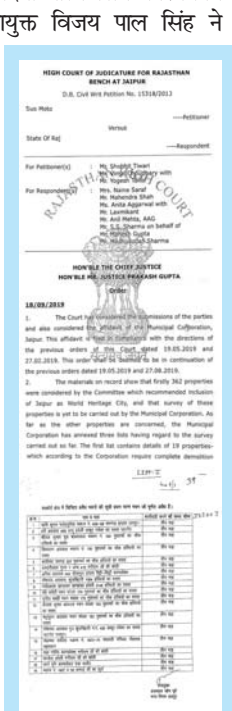

HIGH COURT OF JUDICATURE FOR RAJASTHAN BENCH AT JAIPUR
D.B. Civil Writ Petition No. 15318/2013
HON'BLE THE CHIEF JUSTICE
HON'BLE MR. JUSTICE PRAKASH GUPTA
Order
18/09/2019

नहीं रहे फ़िल्म जगत के एनसाइक्लोपीडिया

जयप्रकाश चौकसे
(1939 - 2022)

अजमेर लिटरेचर फेस्टिवल में रिज़वान एजाज़ी के साथ जयप्रकाश चौकसे।

शायद उन्हें अपनी विदाई का पूर्वाभास हो गया था। आप 26 वर्षों से दैनिक भास्कर में नियमित रूप से कॉलम 'पर्दे के पीछे' लिखते आ रहे थे जिसको 'द बुक ऑफ वर्ड रिकार्ड' में स्थान मिला । अपने अंतिम कॉलम में उन्होंने लिखा था... यह विदा है अलविदा नहीं ऐसी महान विभूतियाँ कभी अलविदा होती भी नहीं। लाखों पाठक उनके कॉलम के ज़रिये फ़िल्म जगत और उसके द्वारा दिये गये संदेशों को बहुत चाव से पढ़ते रहे हैं । अपने फिल्मी कॉलम के ज़रिये देश व संसार की सांस्कृतिक ,आर्थिक राजनीतिक विश्लेषण की अद्भुत लेखनी ने सदैव प्रभावित किया है । कई कहानियाँ, फ़िल्मी डायलॉग, समीक्षाओं के अतिरिक्त चौकसे जी ने दराबाज़ ,महात्मा गाँधी और सिनेमा, 'ताज बेक़रारी का बयान' पुस्तकें भी लिखी हैं ।

हिलव्यू समाचार जयप्रकाश चौकसे को हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है ।

निश्चित रूप से चौकसे जी का स्थान कभी कोई नहीं ले सकता ।

शिक्षा विभाग ने तैयार की नई ट्रांसफर पॉलिसी

जल्द होंगे 85 हजार से ज्यादा टीचर्स के ट्रांसफर

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। थर्ड ग्रेड टीचर्स के तबादलों के लिए शिक्षा विभाग ने नई ट्रांसफर पॉलिसी तैयार कर ली है। राजस्थान में पिछले 7 महीने से अपने गृह जिले में ट्रांसफर के लिए आवेदन करने वाले हजारों टीचर्स के लिए एक खुशखबरी है। शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने बताया की शिक्षा विभाग ने नई ट्रांसफर पॉलिसी तैयार कर ली है, जिसे अनुमोदन के लिए सरकार के पास भेजा गया है। ऐसे में सरकार की हरी झंडी मिलते ही अगले कुछ दिनों में प्रदेश के 85 हजार टीचर्स के तबादले किए जा सकेंगे। दरअसल, राजस्थान में पिछले साल अगस्त महीने में शाला दर्पण पर टीचर्स से ट्रांसफर के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे। जिसमें प्रदेश के 85 हजार से ज्यादा टीचर्स ने अपने गृह जिले में आने के लिए आवेदन किया था। इसके साथ ही टीएसपी क्षेत्र से नॉन टीएसपी क्षेत्र के टीचर्स से विकल्प पत्र भी भरवाए गए। लेकिन 7 महीने का वक्त बीत जाने के बाद भी टीचर्स के ट्रांसफर नहीं हुए थे। जिसको लेकर प्रदेशभर के टीचर्स लंबे समय से विरोध कर रहे है। वहीं अब शिक्षा विभाग ने नई ट्रांसफर पॉलिसी तैयार कर मुख्य सचिव उषा शर्मा के पास भेज दी है। मुख्य सचिव ट्रांसफर पॉलिसी को जांच कर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पास भेजेंगी। ऐसे में माना जा रहा है कि पॉलिसी को कैबिनेट में भी ले जाया जा सकता हैं।

वहीं सरकार से स्वीकृति मिलने के बाद राजस्थान में नई ट्रांसफर पॉलिसी लागू हो जाएगी। जिसके बाद थर्ड ग्रेड शिक्षकों के भी तबादले कर दिए जाएंगे। इससे पहले शिक्षा विभाग में लेक्चरर, हेड मास्टर और प्रिंसिपल समेत प्रशासनिक पदों पर तबादले किए जा चुके हैं। लेकिन थर्ड ग्रेड शिक्षकों की बड़ी संख्या को देखते हुए शिक्षा विभाग ने एक नई ट्रांसफर पॉलिसी बनाने का फैसला किया था। जिसे पूरा कर लिया गया है। ऐसे में माना जा रहा है कि अगले 1 महीने में राजस्थान के हजारों शिक्षकों को फिर से अपने घर आने का मौका मिल सकेगा। राजस्थान में लगभग एक लाख 88 हजार टीचर्स (थर्ड ग्रेड) है। इनमें से 85 से ज्यादा टीचर्स ने ट्रांसफर के लिए आवेदन कर रखा है। लेकिन पिछले 7 महीने से आवेदन की प्रक्रिया शुरू होने के बावजूद ट्रांसफर पॉलिसी नहीं बन पाए थी। जिसकी वजह से प्रदेश के हजारों टीचर का ट्रांसफर नहीं हो पाया है।

सांगानेर नगर निगम रोड पर लगातार बढ़ता यातायात और अतिक्रमण से अवरुद्ध होते मार्ग

स्वयं सांगानेर नगर निगम जोन भी इस असुविधा से गुज़र रहा है और इसी के चलते सांगानेर निगम के बाहर फिक्स पार्किंग अधिकारी कर्मचारियों की हो गई है। इसी के देखा देखी आगंतुकों, आसपास की व्यापारियों की मोटरसाइकिल व चार पहिया वाहनों का जमावड़ा मुख्य सड़क के दोनों किनारों पर लगा रहता है। इसकी वजह से यह मुख्य रास्ता हमेशा अवरुद्ध रहता है।

इसी तरह अगर एक बार पूरे जयपुर में घूमा जाएं तो अवैध निर्माणों, अवैध बिल्डिंगों, सेटबैक ना छोड़ने की वजह से भी यातायात धीरे-धीरे बाधित हो रहा है। रिहायशी कॉलोनियों में होने वाली व्यवसायिक गतिविधियाँ भी इसकी एक बड़ी वजह है। सांगानेर उपायुक्त संगीता मीणा जी से भी इस संबंध में बातचीत की यातायात की अवरुद्धता और अवैध निर्माण से संबंधित बातचीत की गई।

संगीता मीणा, आरएएस
उपायुक्त, सांगानेर नगर निगम जोन हेरिटेज

सांगानेर जोन ने लगातार अभियान चलाया है और यातायात पुलिस के साथ भी काफी सहयोग दिया है किन्तु इस बाज़ार के व्यापार संघ और आम जनता के उदासीन रवैये की वजह से यह मार्ग अब तक साफ़ नहीं किया जा सका। अवैध पार्किंग पूरे मुख्य मार्ग पर जमी रहती है। प्रशासन अकेला परिणाम नहीं दे सकता। आम जनता व व्यापार संघ की जागरूकता व सकारात्मक सहयोग के बिना कुछ भी संभव नहीं।

ख़बर-बेख़बर

जयपुर परकोटा (चारदिवारी) जल्द खो देगा विश्व विरासत का दर्ज़ा

स्वायत्त शासन मंत्री एवं डीएलबी अधिकारियों को क्या सेवा-मेवा मिला है कि अदनी सी राजस्व महिला अफ़सरों को उपायुक्त पदों पर आसीन कर दिया गया?

राजस्व अधिकारी हंसा मीणा उपायुक्त पद की दावेदार कब, क्यों और कैसे बनी? मामले की तह तक जायेंगे तो पता लगेगा कि त्रुटि स्वयं सरकार से हुई है।

नगर निगम में उपायुक्त पद पर राजस्थान नगरपालिका सेवा (प्रशासनिक एवं तकनीकी) नियम 1963 के तहत केवल उन्हीं व्यक्तियों को जो आयुक्त है और उपायुक्त नगर निगम के पद पर पदस्थापित होने की योग्यता रखते हों उन्हें ही उपायुक्त नगर निगम के पद पर पदस्थापित किया जाए किंतु किस रणनीति या प्रीति के तहत अनेक आरएएस अधिकारियों के अधिकारों का हनन कर श्वेता असवाल, हंसा मीणा जैसी रेवेन्यू ऑफिसर को उपायुक्त पद की सौगात मिली। यह रणनीति संदेह जगाती है और तो और हंसा मीणा से मुलाक़ात करके उनकी योग्यता व क्षमता आसानी से कभी भी आंकी जा सकती है।

हिलव्यू समाचार के 28 जनवरी के अंक में किशनपोल जोन की सीमा में हो रहे अवैध निर्माणों के कवरेज व आयुक्त व उपायुक्त अधिकारियों के इस हेतु टिप्पणी के सम्बंध में नगर निगम किशनपोल ज़ोन में जाना हुआ था। उस दौरान हंसा मीणा उपायुक्त किशनपोल ज़ोन का जो रवैय्या था उससे साफ़ ज़ाहिर था कि वे इस पद के कतई लायक नहीं हैं। वे मीडिया या आम जनता से मिलने से कतराती हैं क्योंकि --

- उन्हें ज्ञात ही नहीं कि उपायुक्त को किस तरह का व्यवहार करना चाहिए।
- किस समस्या का क्या समाधान हो सकता है।
- किस तरह मीडिया से मुख़ातिब हुआ जाता है? किस तरह किसी भी प्रश्न के प्रतिउत्तर दिये जाते हैं?
- क्या किशनपोल ज़ोन में मोम की गुड़िया बैठाई गयी है? जो इस पद के अनुकूल न व्यवहार करती है न कि कार्य करती हैं।
- यूडीएच मंत्री शांति धारिवाल की अनुकम्पा से एक योग्य अधिकारी सोहनराम चौधरी को हटाकर राजस्व अधिकारी हंसा मीणा जो कि इस पद के लिए योग्यता नहीं रखतीं बिठाया जाना न्यायसंगत है?
- क्या आर ए एस, आईएएस लेवल के अधिकारियों के बीच राजस्व अधिकारी को उनके लेवल का पद देना न्यायसंगत है ?

बंदर के हाथ में उस्तरा देंगे तो यही हाल होंगे जो अभी नगर निगम हेरिटेज में हो रहे हैं। स्वायत्त शासन मंत्री धारीवाल अपने निजी सहायकों में नियुक्ति देकर भी हंसा मीणा पर अपनी अनुकम्पा दिखा सकते थे फिर भी उन्होंने उस्तरा देकर बंदर को निगम में क्यों बैठा दिया कि पूरे निगम के बाल नोंचने और बाल उतारने का काम इन मोहतरमा ने शुरू कर दिया कि कामकाज चौपट है और कुर्सी की लड़ाई अपने शबाब पर है।

इस पद को लेकर नगर निगम आयुक्त अवधेश मीणा और राजस्व अधिकारी हंसा मीणा में ठनी हुई है। जो कि एक आईएएस अधिकारी की गरिमा को खंडित करती है।

आयुक्त ने कुछ दिन पहले ही हंसा मीणा को जोन उपायुक्त से हटाकर स्टोर उपायुक्त लगाया और फिर आयुक्त ने पुनः एक आदेश जारी कर हंसा मीणा को राजस्व अधिकारी कच्ची बस्ती लगा दिया और कार्मिक उपायुक्त देवेन्द्र जैन को किशनपोल जोन उपायुक्त का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा हालांकि हंसा मीणा ने उपायुक्त स्टोर पर ज्योइनिंग नहीं कर निगम आयुक्त के आदेश के ख़िलाफ़ सिविल सेवा अपील प्राधिकरण में अपील कर दी। वहां से स्टे मिलते ही हंसा मीणा किशनपोल जोन उपायुक्त की कुर्सी पर आ धमकी। ज्ञात रहे कि निगम आयुक्त अवधेश मीणा ने हाईकोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए आदेश जारी कर हंसा मीना को राजस्व अधिकारी कच्ची बस्ती और श्वेता असवाल को उपायुक्त फायर से हटाकर फिर से राजस्व अधिकारी लगा दिया था किंतु हंसा मीणा स्टे पर स्टे होकर पुनः उपायुक्त किशनपोल ज़ोन में आ गयी हैं।

इस संबंध में आयुक्त अवधेश मीणा एवं स्टे पर स्टे हुई किशनपोल उपायुक्त हंसा मीणा से लगातार संपर्क साधा गया किंतु दोनों के फोन स्विच ऑफ हैं और कार्यालय में भी मुलाक़ात सम्भव नहीं हो सकी। अतः इस सम्बन्ध में उनका पक्ष नहीं रखा जा सका।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

02

जयपुर >> सोमवार, 07 मार्च, 2022

संपादकीय

यूक्रेन संकट की जड़ तक पहुंचने के साथ ही यह जानना भी जरूरी है कि इसमें भारत के लिए क्या सबक छिपा है?

रूस ने भले ही करीब एक सप्ताह पहले यूक्रेन पर हमला बोला हो, लेकिन इस हमले के बीज बहुत पहले ही बोए जा चुके थे। 2008 में जार्जिया को खंडित करने के साथ ही रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने स्पष्ट कर दिया था कि वह नाटो की घेराबंदी बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसी मकसद से उन्होंने 2014 में क्रीमिया पर कब्जा किया और अब उसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए यूक्रेन के ख़िलाफ़ जंग छेड़ दी। सोवियत संघ के जिस गौरवशाली इतिहास का सपना पुतिन संजोए हैं, उसके अतीत में जर्मन नाजियों का विश्वासघात भरा रक्तरंजित अध्याय है। यह द्वितीय विश्व युद्ध के समय की बात है, जब हिटलर ने मोलोटोव-रिबेंट्रोप संधि का उल्लंघन करते हुए 1941 में सोवियत संघ पर हमला बोलकर रूसी तानाशाह जोसेफ स्टालिन समेत पूरी दुनिया को हैरान कर दिया था। करीब चार साल तक चली उस जंग में लाखों रूसी मारे गए। जैसे-तैसे रूसी रेड आर्मी हमलावरों को खदेड़ने में कामयाब हुई।

द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद दुनिया अमेरिका और सोवियत संघ के बीच शीत युद्ध में फंस गई। इस दौरान अमेरिका ने नाटो नाम से सैन्य संगठन का गठन किया। उसके जवाब में सोवियत संघ ने वारसा पैक्ट बनाया। सोवियत संघ के विघटन के बाद वारसा पैक्ट निष्प्रभावी हो गया, जबकि नाटो का लगातार विस्तार होता गया। पहले चेक रिपब्लिक, हंगरी और पोलैंड को नाटो में शामिल किया गया। फिर पूर्व में सोवियत संघ का हिस्सा रहे बाल्टिक देश लिथुआनिया, लातविया और एस्टोनिया को। नाटो की इस घेराबंदी का विरोध रूस 1997 से ही करता आ रहा है। तब तत्कालीन रूसी राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन से नाटो को समाप्त करने का अनुरोध किया था, लेकिन उसका कोई फल नहीं निकला। उलटे नाटो का दायरा बढ़ता ही गया। यदि यूक्रेन भी नाटो का हिस्सा बन जाता तो रूस पूरी तरह विरोधी ताकतों से घिर जाता।

भौगोलिक स्थिति के कारण यूक्रेन रूस और यूरोपीय देशों के बीच बफर स्टेट जैसा हो सकता है। उस पर कब्जा कर रूस काले सागर पर भी अपना आधिपत्य जमा सकता है। यूक्रेन के इसी महत्व को देखते हुए रूसी क्रांति के जनक लेनिन ने कहा था कि रूस के लिए यूक्रेन को गंवाना ठीक वैसे ही होगा, जैसे शरीर से एक हिस्से को अलग कर दिया जाए। प्राकृतिक संसाधनों की अधिकता के कारण भी यूक्रेन बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है।

यह उल्लेखनीय है कि यूक्रेन के स्वतंत्र राष्ट्र बनने के बाद भारत ही वह प्रथम देश था, जिसने वहां अपना दूतावास खोला था। हालांकि यूक्रेन ने भारत के प्रति सदाशयता नहीं दिखाई। फिर चाहे कश्मीर का मसला हो या परमाणु परीक्षणों का, कीव ने नई दिल्ली को निराश ही किया। वह भारत पर परमाणु अप्रसार का दबाव बनाने वाली लॉबी का भी हिस्सा रहा। इतना ही नहीं वह पाकिस्तान को सैन्य आपूर्ति भी करता रहा है। देखा जाए तो यूक्रेन को अमेरिका और ब्रिटेन की दोस्ती बहुत महंगी पड़ी, क्योंकि 1993 तक यूक्रेन विश्व की तीसरी परमाणु शक्ति हुआ करता था, लेकिन अमेरिका और ब्रिटेन के कहने पर 1994 में बुडापेस्ट समझौते पर हस्ताक्षर कर उसने अपने सभी परमाणु हथियार त्याग दिए। तब रूस के साथ अमेरिका और ब्रिटेन ने उसकी सुरक्षा की गारंटी ली थी। अब अमेरिका और ब्रिटेन यूक्रेन की सीधी मदद करने से कन्नी काट रहे हैं। वे यूक्रेन का हौसला बढ़ा रहे हैं, लेकिन उन्हें ध्यान रखना चाहिए कि यदि लड़ाई लंबी खिंची तो पूरी दुनिया को इसका नुकसान उठाना पड़ सकता है।

भले ही भारत संयुक्त राष्ट्र में रूस के ख़िलाफ़ आए प्रस्तावों पर मतदान के वक्त तटस्थ रहा हो, लेकिन उसने यूक्रेन की संप्रभुता के हनन को सही नहीं ठहराया। उसने एक तरह से रूस को नसीहत भी दी। भारत की दिक्कत यह है कि यदि वह भविष्य में रूस पर अपनी सैन्य निर्भरता को कम कर दे, तब भी क्या उसके जैसा विश्वसनीय मित्र और कोई दिख रहा है? क्या कोई अन्य देश चीन और पाकिस्तान को नियंत्रित करने में भारत की मदद कर सकता है? ध्यान रहे कि जब सोवियत संघ का विघटन हुआ था तो अमेरिका मीडिया ने कहा था कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत अनाथ हो गया। भारत इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकता कि अमेरिका किस तरह अभी हाल तक पाकिस्तान को हथियार और पैसे देता रहा, जबकि वह भारत में आतंकी हमले करा रहा था। इसमें संदेह नहीं कि रूस हमेशा भारत का साथ देता रहा है, लेकिन यूक्रेन संकट के चलते चीन और रूस के बीच बढ़ती नजदीकी हमारे लिए चिंता का विषय है। रूस की चीन पर बढ़ती आर्थिक निर्भरता चीन को और ताकतवर बना सकती है, जो भारत के साथ-साथ अन्य देशों की संप्रभुता के लिए ठीक नहीं होगी। यह ठीक है कि भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया क्वाड के जरिये चीन को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह अभी तक बेलगाम ही दिख रहा है। चीन एक अर्से से अपने विस्तारवादी इरादे प्रकट कर रहा है। वह ताइवान को भी हड़पने की कोशिश कर रहा है। इसी तरह वह न केवल लद्दाख में अतिक्रमण करने की कोशिश कर रहा है, बल्कि अरुणाचल प्रदेश पर भी अपना दावा जताता है। भारत इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकता कि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान की हालिया मास्को यात्रा में चीन की भूमिका रही। स्पष्ट है कि भारत के समक्ष फूंक-फूंक कर कदम रखने वाली स्थिति है। चूंकि वैश्विक राजनीति में कोई किसी का स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होता, इसलिए भारत को अन्य देशों पर अपनी निर्भरता कम करनी होगी, ताकि भविष्य में अपने हितों की रक्षा के लिए किसी ओर का मुंह न ताकना पड़े।

बदलते मौसम में कीजिए बॉडी डिटॉक्स

मौसम बदल रहा है. धीरे-धीरे तापमान बढ़ रहा है. आयुर्वेद के अनुसार, इस मौसम में कफ दोष बढ़ता है. इससे कई तरह की व्याधियां यानी रोग होते हैं. इनसे बचाव के लिए शरीर को डिटॉक्स किया जाता है. पहले से कोई समस्या हो तो कभी भी डिटॉक्स करा सकते हैं. साथ ही स्वस्थ व्यक्तियों को भी वर्ष में 3 बार शरीर को डिटॉक्स करना चाहिए. इनमें शरद, बसंत और वर्षा ऋतु है. यहां बताए जा रहे कुछ तरीके, जिससे घर में भी डिटॉक्स कर सकते हैं.

स्टीम (स्वेदन)

इससे भी शरीर से गंदगी बाहर निकलती है. सामान्य दिनों में सप्ताह में एक बार स्वेदन करें और गर्मी में डॉक्टरी सलाह के बाद ही इस क्रिया को करें.

उबटन भी उपयोगी

त्वचा को डिटॉक्स करने के लिए उबटन का इस्तेमाल करना सबसे अच्छा माना गया है. होली के आसपास उबटन लगाने का प्रचलन भी इससे ही जुड़ा हुआ है. इससे सर्दी के दिनों में त्वचा पर जमी मैल निकल जाती है.

डिटॉक्स चाय

अदरक, जीरा, धनिया, थोड़ी-सी दालचीनी व कुछ तुलसी के पत्तों को पानी में मिलाकर उबाल लें. इसमें थोड़ा सा गुड़ भी मिलाकर पीएं. यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर शरीर से दूषित चीजों को यूरिन के रास्ते बाहर निकालता है.

एक्सरसाइज व योग

योग-व्यायाम से पसीना निकलता है. इसमें ब्रिस्क वॉक, रनिंग, सूर्य नमस्कार करें. इसमें पसीना निकलता है. इससे भी शरीर की गंदगी बाहर निकलती है.

आंत साफ करेगा आंवला

2-3 हरे आंवले लेकर उन्हें कद्दूकस कर गर्म पानी में रातभर भिगो दें. सुबह उसके पानी में थोड़ा-सा सेंधा नमक मिलाकर पीएं तो यह आंतों की सफाई भी करता है. इससे पेट साफ भी होता है.

नींबू का रस व शहद

सुबह खाली पेट पानी में नींबू का रस, शहद या गुड़ मिलाकर पी सकते हैं. डायबिटीज के रोगी पानी में केवल नींबू का रस निचोड़कर ही पीएं.

त्रिफला का काढ़ा

रात के समय एक चम्मच त्रिफला चूर्ण ले सकते हैं. कब्ज की शिकायत में इसबगोल की भूसी के साथ लें. त्रिफला का काढ़ा भी इसमें उपयोगी होता है.

पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं

प्यास बुझाने के साथ ही पानी शरीर को डिटॉक्स भी करता है. हर एक-दो घंटे से एक गिलास पानी पीएं. अक्सर लोग काम के दबाव से पानी पीने पर ध्यान नहीं देते, जबकि यह शरीर से विषैले पदार्थ भी बाहर निकालता है.

पर्याप्त नींद जरूरी

नींद भी शरीर को डिटॉक्स करने के लिए जरूरी मानी गई है. सोने से एक-दो घंटे पहले आप सिर में मालिश करें और पर्याप्त नींद लें. थकान भी मिटेगी.

छोटे बच्चों के लिए

मसाज व व्यायाम के साथ ही शिशुओं की हथेलियां गर्म कर सिंकाई कर सकते हैं. आठ वर्ष से अधिक उम्र में नाक में दो बूंद तिल का तेल डाल (नस्य) सकते हैं.

पंचकर्म के तरीके

- बसंत में कफ का प्रकोप होने से ओबिसिटी, अस्थमा, एलर्जी जैसी बीमारियों की आशंका रहती है. इसमें शरीर को डिटॉक्स करने के लिए वमन (उल्टी) कराते हैं.
- वर्षा ऋतु में वात वृद्धि होने से न्यूरोलॉजिकल बीमारियों जैसे पैरालिसिस और उदर में वात रोग की आशंका रहती है. इसके लिए थेरेपेटिक एनिमा लगाया जाता है.
- शरद ऋतु में पित्त का प्रकोप बढ़ने से सोरायसिस, एक्जिमा जैसे त्वचा रोग व ब्लड प्रेशर व ब्लड के रोग बढ़ जाते हैं. ऐसे में विरेचन (लूज मोशन) कराते हैं.

साँस रोगी संभल जाएँ

बदलते मौसम में सांस व एलर्जी रोगियों में वातावरण में बढ़ते प्रदूषक तत्वों और एलर्जन्स के कारण समस्या बढ़ने की आशंका रहती है. कुछ तरीके अपनाकर स्वस्थ रहा जा सकता है और इन समस्याओं को भी दूर किया जा सकता है.

बचाव के लिए तरीके

- सुबह जल्दी बाहर न निकलें.
- नियमित रूप से मालिश करें.
- इनहेलर हमेशा अपने साथ रखें.
- तनाव वाले काम न करें, पर्याप्त नींद लें. तनाव से भी अटैक बढ़ते हैं.
- विशेषज्ञ की देखरेख में ही व्यायाम करें व दवाइयां लें.
- घर से बाहर निकलें तो मास्क जरूर लगाएं.
- व्यायाम डॉक्टरी सलाह से करें.

डाइट में साबुत अनाज लें

संतुलित आहार व साबुत अनाज लें. पॉलीअनसैचुरेटेड फैट काम में लें यानी चिकनाई वाली चीजें कम खाएं. बादाम, अखरोट जैसे ड्राई फ्रूट्स लें. हर्बल टी, सूप आदि लें. एंटीऑक्सीडेंट्स के लिए बेरी, पालक, गाजर सहित हरी सब्जियां खाएं. गुनगुना पानी पीएं एवं नियमित भाप लेते रहें. शरीर में पानी की कमी न होने दें. ठंडी व खट्टी चीजों का परहेज करें. दूध व इससे बने पदार्थ कम लें.

दवाइयां खुद से बंद या शुरू न करें

नमक के गुनगुने पानी के गरारे करें. किसी भी स्थिति में घबराएं नहीं. दवाइयां खुद से बंद न करें और बंद कर दी हो तो डॉक्टरी परामर्श के बाद ही शुरू करें.

एलर्जी से बचें

वे सभी आहार न लें जिनसे एनर्जी या सांस संबंधी समस्याएं होती हैं. स्मोकिंग से दूर रहें. यदि नियमित दवाइयां लेते हैं तो अस्थमा, सीओपीडी, एलर्जी सहित फेफड़ों के रोगों में लाभ मिलता है. सामान्य जीवन जी सकते हैं. बाहर निकलें तो नाक-मुंह ढककर रखें. सर्दी-जुकाम या कोविड से अपना बचाव करें. योग-व्यायाम जैसे अभ्यास अपनाकर फिट रहें.

कपोतासन से चेहरा चमकदार

हेल्दी रहने के लिए योगा करना बेस्ट माना गया है. वहीं दिन की शुरुआत योगा द्वारा करने से दिन भर एनर्जेटिक व खुशमुना महसूस होता है. इससे इम्यूनिटी बूस्ट होकर बीमारियों की चपेट में आने का खतरा भी कम रहता है. इसके अलावा चेहरे पर ग्लो आने में भी मदद मिलती है. आइएं जानें व्हील की मदद से कपोतासन करने का तरीका व इसके फायदे-

ऐसे करें

- सबसे पहले जमीन पर व्हील रखें.
- अब पीठ को व्हील पर टिकाकर घुटनों और कोहनियों को अंदर की ओर मोड़ें.
- दोनों हाथों से व्हील को कपड़ लें.
- सिर को एकदम सीधा रखें.
- कुछ सेकेंड इसी अवस्था में रहते हुए गहरी सांस लें.
- इसके बाद सामान्य मुद्रा में आ जाएं.

फायदा

- इसे करने से पीठ में मजबूती है.
- रीढ़ की हड्डी में मजबूती व लचीलापन आता है.
- फेफड़ों को मजबूती मिलने से इससे जुड़ी बीमारियों की चपटे में आने का खतरा कम रहता है.
- हार्मोनल असंतुलन को कंट्रोल करने में भी यह योगासन बेहद कारगर माना गया है.
- इससे थाइज, पेट व बाहों पर जमा एक्स्ट्रा चर्बी कम होकर बॉडी टोन्ड होती है.
- इस योगासन को करने से स्किन ग्लोइंग नजर आती है.

नोट -योग विशेषज्ञ से अवश्य सलाह लें.

मांसपेशियों के लिए ख़तरनाक डायबिटीज

डायबिटीज, शरीर के सबसे गंभीर समस्याओं में से एक है. इसके कारण होने वाला ब्लड शुगर असंतुलन पूरे शरीर के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है. आमतौर पर डायबिटीज को दिल और किडनी जैसे अंगों के लिए नुकसानदायक माना जाता है, साथ ही यह मांसपेशियों और उनसे जुड़े छोटे-छोटे टेंडन्स के लिए भी नुकसानदायक हो सकता है. शुगर का असंतुलित स्तर इन टेंडन्स पर बुरा असर डाल सकता है, जिसके कारण कई तरह की गंभीर समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है. इतना ही नहीं, शरीर को हिलने-डुलने तक में यह दर्द और तकलीफ का कारण बन सकते हैं.

टेंडन्स छोटे-छोटे धागे नुमा आकार होते हैं जो मांसपेशियों को हड्डियों से जोड़े रखते हैं. ये जितने मजबूत होंगे, मांसपेशियां उतनी ही अच्छी तरह से हड्डियों से जुड़ी रहेंगी और हड्डियां उतनी ही अच्छी तरह से अपनी जगह पर काम कर सकेंगी. टेंडन्स शरीर में हर जगह मौजूद होते हैं. डायबिटीज के अनियंत्रित होने पर टेंडन्स मोटे और कड़क हो जाते हैं और इनके टूटने की आशंका बढ़ जाती है. टेंडन्स के टूटने की यह आशंका टाइप-1 और टाइप-2 दोनों प्रकार की डायबिटीज में हो सकती है.

इन उपायों से मिल सकता है लाभ

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए शुगर लेवल को नियंत्रित रखना सबसे पहला काम है और इसके लिए आपको डाइट, व्यायाम, दिनचर्या और दवाई चारों को ध्यान में रखना होगा. इससे आप बहुत हद तक टेंडन्स को क्षतिग्रस्त होने से बचा सकते हैं. अगर इसके बावजूद समस्या होती है तो डॉक्टर से यह राय लें कि कहां अतिरिक्त काम करने की जरूरत है. डॉक्टर जांचों के बाद आपको सही कारण और सही इलाज दोनों के बारे में बता सकते हैं. कई बार वजन कम करने से भी टेंडन्स पर से दबाव हटने लगता है और तकलीफ कम होती है. गर्म सिंकाई, विशेष एक्सरसाइज या फिजियोथेरेपी आदि से भी लाभ मिल सकता है. डायबिटीज के कारण शरीर के तमाम अंगों को नुकसान का खतरा रहता है इसलिए जरूरी है कि इसे नियंत्रित रखने के प्रयास लगातार किए जाएं.

टेंडन्स की क्षति के कारण हो सकती हैं समस्याएं

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक टेंडन्स के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में कई तरह की समस्याएं उभर सकती हैं.

फ्रोजन शोल्डर : कंधों के जोड़ों में सूजन, अकड़न और दर्द.

रोटेटर कफ टियर्स : यह स्थिति भी कंधों के जोड़ों की मांसपेशियों और टेंडन्स के क्षतिग्रस्त होने से बनती है.

ट्रिगर फिंगर या ट्रिगर थम्ब : हाथों की अंगुलियों और अंगूठे में दर्द, सूजन और अकड़न के साथ ही हर बार जोड़ों के मुड़ने पर सीधा करने पर क्लिक की आवाज आना.

कार्पल टनल सिंड्रोम : कंप्यूटर व अन्य गैजेट्स पर लगातार काम करने के कारण यह समस्या आजकल वैसे भी आम है. उस पर अगर डायबिटीज हो तो इसकी गंभीरता और बढ़ सकती है. इससे कलाइयों में सुन्नपन, कमजोरी और झनझनाहट महसूस होने जैसे लक्षण उभरते हैं.

डिपविट्रेन्स कंट्रक्चर : हाथ में त्वचा के नीचे स्थित ऊतकों (टिशूज) का मोटा हो जाना या फूल जाना इस समस्या का संकेत है. इसकी वजह से अंगुलियां हथेली की ओर मुड़ने लगती हैं और समय पर इलाज न किया जाए तो अंगुलियां हमेशा के लिए खराब भी हो सकती हैं.

बढ़ सकती हैं कई तरह की दिक्कतें

टेंडन्स का टूटना या क्षतिग्रस्त होना एक गंभीर समस्या है क्योंकि एक बार ऐसा होने के बाद यदि ठीक से ध्यान न रखा जाए तो यह फिर से टूट सकते हैं, इसलिए जरूरी है कि इन्हें टूटने से बचाया जाए और यदि टूट गए हैं तो सही इलाज और सावधानियों का पूरा ध्यान रखा जाए. स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक टेंडन्स को स्वस्थ रखने के लिए एक्सरसाइज बेहतर उपाय हो सकता है. व्यायाम वैसे तो पूरे शरीर के लिए ही फायदेमंद है लेकिन डायबिटीज के कंट्रोल में यह बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. पैरों की एड़ी में भी डायबिटिक लोगों को कई बार तकलीफ होती है और इससे भी नियमित व्यायाम बाधित होता है. इसलिए जरूरी है कि समस्या होते ही तुरंत इलाज लिया जाए और एक्सरसाइज को जारी रखा जाए. तकलीफ के हिसाब से डॉक्टर आपको व्यायाम के तरीकों में बदलाव करने को कह सकते हैं.

हाई ब्लड प्रेशर के खतरे को कम करती है गुड़हल की चाय

हाई ब्लड प्रेशर को इस्केमिक हृदय, सेरेब्रोवैस्कुलर रोग और क्रोनिक किडनी रोग के साथ-साथ कई अलग-अलग बीमारियों के लिए एक जोखिम माना गया है. इसके अलावा उच्च रक्तचाप दुनिया भर में विकलांगता और मौतों में वृद्धि के लिए भी जिम्मेदार है. आपने कई बार सुना होगा कि डॉक्टरों ने सर्जरी रद्द कर दी क्योंकि मरीज का रक्तचाप स्थिर नहीं था. यह बात सच है कि आधुनिक दवाओं का उपयोग करके रक्तचाप के स्तर को नियंत्रित किया जा सकता है, लेकिन इन दवाओं के लंबे समय तक उपयोग से पूरे स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है. दवाओं के अलावा आप हाइपरटेंशन को प्राकृतिक उपाय और खाने से भी मैनेज कर सकते हैं. ऐसे में गुड़हल का फूल काफी फायदेमंद साबित हो सकता है.

हार्वर्ड हेल्थ की रिपोर्ट के अनुसार, एक अध्ययन से पता चला है कि हिबिस्कस चाय रक्तचाप को कम करने में मदद कर सकती है. इस हर्बल चाय का एक और दिलचस्प कार्डियोवैस्कुलर लाभ एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में मदद करने की क्षमता है. एक शोध समीक्षा से पता चला है कि गुड़हल की चाय या अर्क का सेवन करने से खराब एलडीएल कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड का स्तर कम हो जाता है.

- अब यह स्थापित हो चुका है कि हिबिस्कस की चाय रक्तचाप कम करने में प्रभावी साबित हो सकती है.
- अध्ययनों से पता चलता है कि गुड़हल की चाय या अर्क का सेवन करने से खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) और ट्राइग्लिसराइड का स्तर कम हो जाता है.
- सूखी कलींजी का उपयोग हिबिस्कस चाय में किया जाता है, जो एक ताजा लेकिन तीखा स्वाद प्रदान करता है.
- एंटीऑक्सीडेंट शक्ति प्रदान करने के अलावा, हिबिस्कस चाय में पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम और अन्य खनिजों की थोड़ी मात्रा होती है.
- हिबिस्कस चाय एंटीवायरल और कार्डियोवैस्कुलर लाभ प्रदान करती है, मुख्य रूप से एंटीऑक्सीडेंट 'एंथोकायनिन' के कारण.
- यह हर्बल चाय बर्ड फ्लू के कुछ प्रकारों के खिलाफ प्रभावी साबित हुई है.
- हार्वर्ड हेल्थ ने चेतावनी दी है कि अगर आप मूत्रवर्धक दवा हाइड्रो क्लोरोथियाजाइड लेते हैं, तो आपको हिबिस्कस चाय पीने से बचना चाहिए क्योंकि ये दोनों मिलकर सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं. हिबिस्कस चाय एस्पिरिन के प्रभाव में भी हस्तक्षेप कर सकती है और स्वास्थ्य पेशेवर सलाह देते हैं कि उन्हें 3-4 घंटे के अंतर से खाना चाहिए.

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

03

जयपुर >> सोमवार, 07 मार्च, 2022

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव

युद्ध मानवता के लिए बहुत बड़ी त्रासदी, इसकी मानवीय और वित्तीय क़ीमत चुकानी पड़ेगी

संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ, स्तंभकार, एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

वैश्विक स्तर पर सभी देशों को यूक्रेन-रूस के बिगड़ते संबंधों के चलते युद्ध का आगाज़ पहले से ही था तथा संयुक्तराष्ट्र, नाटो, ईयू इत्यादी संगठनों के हस्तक्षेप करने और युद्ध के तीसरे विश्वयुद्ध में परिवर्तित होने का कुछ हद तक अंदेशा भी इस क्षेत्र के विशेषज्ञों ने व्यक्त किया था। परंतु यूक्रेन-रूस युद्ध में युद्ध तो आज भी शुरू है परंतु अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को सीधे तौर पर हस्तक्षेप करते नहीं दिख रहे है, जबकि यूक्रेन देश युद्ध में पूरी तरह से तबाह होते हुए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और टीवी चैनलों पर दिखाया जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली (यूएनजीए) ने रूस के खिलाफ़ निंदा प्रस्ताव भी पारित किया है जिसमें 141 देशों ने पक्ष में, 5 देशों ने विपक्ष और भारत सहित 35 देशों ने वोटिंग में भाग नहीं लिया हालांकि संयुक्त राष्ट्र, नाटो, ईयू द्वारा अनेक भयंकर प्रतिबंध रूस पर लगाने शुरू हैं जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर विपरीत असर देखना शुरू हो गया है बड़ी मुश्किल से कोरोना महामारी और उसके ओमिक्रान वेरिएंट सहित अनेक वैरीअंटों से बड़ी मुश्किल से सभी देश पीछा छुड़ाने में क़ामयाब होने की राह पर थे और अपनी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने दीर्घकालीन रणनीतिक रोडमैप बनाना शुरू किया था कि यह नई मानव निर्मित मुसीबत आन पड़ी है जिससे अर्थव्यवस्था चौपट होने का अंदेशा गहरा गया है।

साथियों बात अगर आम युद्ध की करें तो यह मानवता के लिए बहुत बड़ी त्रासदी है, जिसमें मानवीय और वित्तीय कीमत चुकानी पड़ती है क्योंकि किसी भी उच्च अर्थव्यवस्था वाले विकसित देश पर वैश्विक प्रतिबंध लगाने से दुनिया पर इसके विपरीत आर्थिक प्रभाव को रोका नहीं जा सकता जिसमें आर्थिक प्रतिबंध झेलने वाला देश भी शामिल है।

साथियों बात अगर हम यूक्रेन-रूस युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर विपरीत परिणामों की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अनुसार, ईंधन के क़ीमतों में भारी इज़ाफ़ा होने की संभावना है क्योंकि रूस दुनिया में कच्चे तेल/गैस का प्रमुख निर्यातक है, अगर पश्चिमी देश रूसी

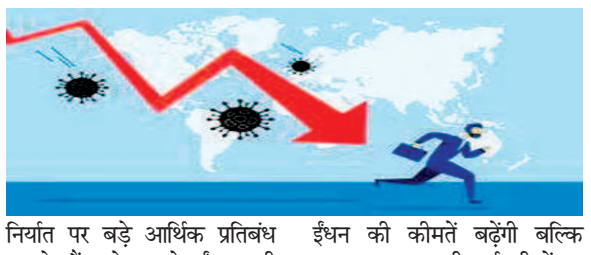

निर्यात पर बड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाते हैं, तो इससे ईंधन की कीमतों में भारी वृद्धि हो सकती है। विश्व बैंक के डब्लयूआईटीएस डाटाबेस के आंकड़ों के अनुसार, ईंधन आधारित वस्तुओं का रूसी निर्यात में पचास फ़ीसदी से अधिक हिस्सा है। यूएस एनर्जी इंफॉर्मेशन एडमिनिस्ट्रेशन के आंकड़ों से पता चलता है कि रूस वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल उत्पादन का कम से कम दसवां हिस्सा तैयार करता है, जो मध्य पूर्व में पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन में कुल कच्चे तेल उत्पादन का लगभग आधा है।

साथियों बात अगर हम कच्चे तेल की करें तो 2 मार्च 2022 को 2014 के बाद पहली बार कच्चे तेल की कीमतों ने 110 डॉलर प्रति बैरल की सीमा को पार किया है, जो रूसी कार्रवाई का सीधा नतीज़ा है। यूरोपीय देश गैस के लिए काफ़ी हद तक रूस पर निर्भर हैं, ऐसी आशंकाएँ हैं कि इसके नतीजे लंबे समय तक दिख सकते हैं। उदाहरण के लिए, जर्मनी ने रूस के नॉर्ड स्ट्रीम 2 गैस पाइपलाइन की मंजूरी पर रोक लगा दी है। अब रूस-यूक्रेन संकट के कारण ना केवल ईंधन की कीमतें बढ़ेंगी बल्कि इसका असर दूसरी कई चीज़ों पर भी पड़ेगा। रूस दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण गेहूँ उत्पादक देशों में से एक भी है, जिससे खाने की चीज़ें भी महंगी हो जाएंगी, आज हम देखें तो रूसी रूबल की कीमत भी 30 फ़ीसदी गिर गई है और अमेरिका रूसी अरबपतियों पर कुछ प्रतिबंध लगाने की सोच रहा है।

साथियों बात अगर हम भारत में वर्तमान स्थिति की करें तो, बजट का पूरा गणित बिगड़ सकता है क्योंकि भारत के पांच राज्यों में हो रहे चुनावों के बीच तेल की कीमतों को लेकर पहले से ही हल्ला मचा हुआ है, अब रूस-यूक्रेन संकट ने इस मुश्क़िल को और बढ़ा दिया है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों को नवंबर 2021 से स्थिर रखा गया है, जब भारत के कच्चे तेल की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल थी। इस साल के आर्थिक सर्वेक्षण में अनुमान लगाया गया था कि अगले वित्त वर्ष में कच्चे तेल की कीमतें 70-75 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में बनी रहेंगी, अगर कच्चे तेल की कीमतें मौजूदा स्तरों पर भी बनी रहती हैं, तो ईंधन की कीमतों में 13 रुपये प्रति लीटर से अधिक की वृद्धि करनी होगी, जब तक कि सरकार यूनियन एक्साइज ड्यूटीको कम करने या पेट्रोलियम सब्सिडी बढ़ाने के लिए तैयार नहीं होती है। इन दोनों फैसलों से बड़े पैमाने पर बजट में हुई गणना गड़बड़ा सकती है। कीमतों में भारी वृद्धि से महंगाई बढ़ेगी, आर्थिक संकट बढ़ेगा और राजनीतिक असंतोष बढ़ने की भी संभावना है? एक अकेली रोशनी की किरण या कहें उम्मीद, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार है, जो लगभग 630 बिलियन डॉलर (जनवरी 2021 के आंकड़ों के अनुसार) है।

साथियों बात अगर हम भारतीय अर्थव्यवस्था की करें तो बड़ी मुश्किल से कोरोना महामारी और ओमिक्रान वेरिएंट से निकलने की स्थिति में आकर हम अनलॉक की तरफ बढ़ गए थे और अपने ड्रीम मिशन 2047, मिशन 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था, मिशन नए भारत की ओर बढ़ रहे थे कि फिर एक नई मानव निर्मित मुसीबत इस युद्ध के रूप में आन पड़ी है। हालांकि भारत का इसमें रोल नहीं है परंतु अमेरिका के साथ आर्थिक और रूस साथ सामरिक हित हैं। परंतु प्रभाव तो वैश्विक स्तर पर होता ही है। दिनांक 2 मार्च 2022 को देर रात तक टीवी चैनलों पर जारी डिबेट में विशेषज्ञों ने राय प्रकट की, ऐसा ही या इससे बद्दतर स्थिति हुई तो क्रूड ऑयल 150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकता है, पेट्रोल डीजल 25 रुपए तक बढ़ सकते हैं, डॉलर के मुकाबले रुपया 80-85 तक जा सकता है, खान-पान तेल, खाद, एडिबल ऑयल, गैस, फ़र्टिलाइज़र की आपूर्ति में रुकावट आ सकती है, जिससे महंगाई दर तीव्रता से बढ़ने की संभावना है। जैसे -जैसे युद्ध के दिन आगे बढ़ेंगे हर दिन जेब पर असर पड़ेगा। युद्ध का लंबा खिचना अर्थव्यवस्था के लिए ख़तरनाक है। महत्वपूर्ण सेक्टरों पर विपरीत असर पड़ेगा क्योंकि भारत का यूक्रेन सहित अन्य देशों में फार्मा सहित अनेक वस्तुएं एक्सपोर्ट होती है और तेलीय पदार्थ आयात होते हैं जिसके विपरीत प्रभाव से भारतीय अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी, क्योंकि सरकार को दीर्घकालीन योजनाओं पर आवंटित राशि को इन क्षेत्रों पर पड़ने वाले विपरीत असर को कंपनसेट करने में खर्च करने होंगे।

अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा, युद्ध मानवता के लिए बहुत बड़ी त्रासदी है, इसकी मानवीय और वित्तीय कीमत चुकानी पड़ेगी। किसी भी उच्च अर्थव्यवस्था वाले विकसित देश पर वैश्विक प्रतिबंध लगाने से दुनिया पर इसके विपरीत आर्थिक प्रभावों को रोका नहीं जा सकता।

समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषय से संबंधित विवरण

घोषणा फार्म 4

1. प्रकाशन स्थल	:	जयपुर
2. प्रकाशन अवधि	:	साप्ताहिक
3. स्वामी एवं मुद्रक का नाम	:	रिज़वान एजाज़ी
क्या आप भारत के नागरिक हैं?	:	हाँ
पता :		महिमा क्लासिक, 601, बी-84, रमन मार्ग तिलक नगर, जयपुर राजस्थान
4. प्रकाशक का नाम	:	रिज़वान एजाज़ी
क्या आप भारत के नागरिक हैं ?	:	हाँ
पता :		महिमा क्लासिक, 601, बी-84, रमन मार्ग तिलक नगर, जयपुर राजस्थान
5. संपादक का नाम	:	शालिनी श्रीवास्तव
क्या आप भारत के नागरिक हैं?	:	हाँ
पता :		सी-2,फ्लैट न.201, अर्शिया रेजीडेंसी, आदर्श नगर, राजापार्क, जयपुर राजस्थान
6.उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों :	:	रिज़वान एजाज़ी महिमा क्लासिक, 601, बी-84, रमन मार्ग तिलक नगर जयपुर, राजस्थान

मैं **रिज़वान एजाज़ी** एतद द्वारा घोषणा करता हूँ कि मेरी समस्त जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए हुए विवरण सर्वथा सत्य हैं।

हस्ताक्षर
रिज़वान एजाज़ी
प्रकाशक/मुद्रक/स्वामी
हिलव्यू समाचार (साप्ताहिक)

स्थान: जयपुर
दिनांक : 7-3-2022

रोक लो युद्ध

रोक लो इस युद्ध के विस्तार को
बन्द कर दो अब तो नर संहार को।
गोलियों की मार तोपों की दहाड़ें
सुन सकोगे कैसे हाहाकार को।
ढ़ेर लाशों के लगे आकाश तक
थाम लो बहती लहू की धार को।
आयुधों की आज़माइश में लगे
सब से लो काम में उद्धार को ।
हर तरफ़ विध्वंस है, चित्कार है
क्यों बढ़ाते हो धरा के भार को ।
आपसी रंजिश में केवल है तबाही
प्यार से सुलझा लो हर तक़रार को ।
रोक लो मिटने से ईश्वर की कृति को
क्या मिलेगा युद्ध से संसार को ।

ललिता मिश्रा अलवर

जयपुर विकास प्राधिकरण

जोन-7 में 198 लाख रुपये से क्षतिग्रस्त सेक्टर सडकों का किया जायेगा नवीनीकरण

आमेर में बनाई जायेगी 57 लाख रुपये की लागत से सडकें

हिलव्यू समाचार

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल की परिकल्पना को मूर्त रूप देते हुए जयपुर शहर में सौंदर्यीकरण एवं विभिन्न विकास कार्य करवाये जा रहे है।

जयपुर विकास आयुक्त गौरव गोयल ने बताया कि जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा नगरीय विकास मंत्री महोदय के नेतृत्व में विकास कार्य करवाये जा रहे है। जेडीए द्वारा जोन-7 क्षेत्र के अन्तर्गत पश्चिमी भाग में स्थित सेक्टर सड़कों का नवीनीकरण, आमेर में ग्राम पंचायत लबाना में सडक निर्माण एवं फौजी कच्ची को पुनर्वास पश्चात् रिक्त भूमि की प्लानिंग कर रिटेनिंग वॉल एवं सड़क निर्माण कार्य कार्यादेश जारी कर कार्य करवाये जा रहे है।

जेडीसी ने बताया कि जेडीए के जोन-7 क्षेत्र के अन्तर्गत पश्चिमी भाग में सेक्टर-56 में सृजित 80 फीट/160 फीट/200 फीट चौड़ी सैक्टर सड़कें आपस में एक-दूसरे से जुड़ी होने के साथ ही शहर में आवागमन हेतु मुख्य सड़क गांधी पथ पश्चिम एवं सिरसी रोड मुख्य मार्ग को जोड़ती है। उक्त सड़कों के आस-पास दिन प्रतिदिन आवागमन होने के कारण मौके पर अधिकतम लोगो द्वारा निवास किया जा रहा है।

वर्तमान में सेक्टर सडकें जगह-जगह से क्षतिग्रस्त अवस्था में है, जिससे आमजन को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जेडीए द्वारा जनहित में सुगम एवं सुरक्षित यातायात को दृष्टिगत रखते हुये पूर्व में स्थित क्षतिग्रस्त सड़कों के नवीनीकरण हेतु 198.33 लाख का कार्यादेश जारी किया जा चुका है, जिसके तहत शीघ्र ही कार्य प्रारम्भ करवाया जाएगा। उक्त कार्य के अन्तर्गत 6.00 किमी की समतुल्य लम्बाई में कार्य करवाया जाना प्रस्तावित है। जिससे लगभग 1.50 लाख लोग लाभान्वित होगें।

आमेर विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पंचायत लबाना में विवांश विद्यालय से बलियावाली तलाई तक सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इस सड़क की लम्बाई 1.90 किमी है, जिसमें 1.70 किमी लम्बाई में डामरीकृत एवं 0.20 किमी लम्बाई में सीमेन्ट सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इस सड़क से दो ढाणियों (बाल्यावाली की ढाणी एवं बागडो की ढाणी) लगती है, जिनमें आबादी निवास करती है एवं साथ ही एक सरकारी विद्यालय लगता है। इस सड़क से आबादी लाभान्वित होगी एवं यातायात सुगम हो जायेगा। इस कार्य पर राशि रूपये 56.65 लाख व्यय करते हुए कार्य माह अगस्त, 2022 तक पूर्ण किया जाना प्रस्तावित है। उन्होंने बताया कि जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा फौजी कच्ची बस्ती को पुनर्वास करने पश्चात् रिक्त हुई भूमि पर प्लानिंग की गयी व माननीय मंत्री महोदय के निर्देशानुसार स्कीम का नामकरण पूर्व न्यायाधीश व स्वतन्त्रता सेनानी स्व. दौलत मल भण्डारीजी के नाम पर नामकरण किया गया।

देवस्थान विभाग के भागवत कथा यज्ञ में माखन चोरी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। गत सप्ताहदेवस्थान विभाग द्वारा आमेर रोड़ जल महल के सामने स्थित श्री बलदेव मंदिर पर चल रही भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में शनिवार को भगवान श्री कृष्ण की बाल लीला, माखन चोरी, मटकी फोडने, गोवर्धन पूजा के प्रसंगों को भावपूर्ण तरीके से प्रस्तुत किया। व्यासपीठ से प्रवचन करते हुए श्री अकिंचन जी महाराज ने कहा कि पति पत्नी गाड़ी के पहियों की तरह है और दोनों पहियों में समन्वय व सामजंस्य से ही सही तरीके से गाड़ी चलती है। उन्होंने कहा कि गृहस्थाश्रम दूध, दही-माखन की तरह भोग का कारक है तो ईश्वर की आराधना से भोग के साथ ही भजन को भी स्थान दिया जाना जरुरी है। उन्होंने कहा कि केवल भोग से काम-क्रोध और लोभ-मोह जकड़ लेता है और इसलिए गृहस्थाश्रम में भोग और योग में सामजंस्य बनाना होगा। श्री अकिंचन जी महाराज ने विस्तार से गृहस्थ जीवन का सार समझाया। भागवत कथा यज्ञ के दौरान श्रोताओं ने भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का श्रवणामृत लिया। भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का मंचन किया और माखन चोरी , मटका फोड़ने की लीला में महिलाएं और पुरुष खूब झूमे-नाचे। श्री गोवर्धन पूजा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण के छप्पन भोग की झांकी सजाई गई। संपूर्ण वातावरण भक्तिरस से सराबोर हो गया।

राजस्थान आवासन मण्डल

हमारा प्रयास, सबको आवास

बुधवार नीलामी उत्सव

ई-बिड सबमिशन के माध्यम से

अब! मात्र 11.55 लाख रुपये में

मात्र 427 शेष

900 वर्ग फीट पूर्ण निर्मित, रेडी-टू-शिफ्ट

सुरम्य वादियों के बीच

MGD वीकेंड होम-नायला, जयपुर में

भारी छूट पर आवास खरीदने का

सुनहरा मौका !

10% दीजिए गृह-प्रवेश कीजिए

156 आसान मासिक किश्तों में भुगतान

(सीमित समय के लिए उपलब्ध)

नियम एवं शर्तें लागू।

राजस्थान संवाद

ई-मित्र पर मात्र ₹ 100 देकर ई-बिड सबमिशन में भाग लें

• योजना में पानी, बिजली, सड़क, सीवर, पार्क सहित मूलभूत सुविधाओं की समुचित व्यवस्था एवं ये आवास विवाद रहित है। • ई-बिड सबमिशन प्रत्येक सोमवार प्रात:10.00 बजे से बुधवार सायं 4.00 बजे तक, आवंटन प्रत्येक बुधवार सायं 4.30 बजे • जहां है जैसा है के आधार पर विक्रय • शनिवार/रविवार को आवास दिखाने की विशेष व्यवस्था

ऑनलाइन प्रस्ताव देने की प्रक्रिया के लिए आवासन मण्डल की वेबसाइट www.urban.rajasthan.gov.in/RHB देखें।

हेल्पलाइन नं. कार्यालय समय में: 0141-2744688, 2740009, कार्यालय समय उपरान्त: 9461054291/92/319 एवं 9460254319, शांतनु वार्ष्णेय (9983131666), पवन सोनी (8852000770) या समन्वयक अधिकारी श्री भारत भूषण जैन (9828363615) से सम्पर्क करें

RERA REG. NO. RAJ/RERA/P/2018/722

Rera Website: www.rera.rajasthan.gov.in

व्यंग्य

सत्ता का झुनझुना

राजनीति में पद की भूख व लालसा नहीं हो तो, राजनीति में फिर लोग क्यों आएंगे? आज कल राजनीति में आने के लिए कब्जे धारी, दो नंबर के व्यापारी, गुंडे बदमाश लैंडलॉर्ड, अनैतिक काम में लिप्त लोग व अन्य कैटेगरी के लोग अपने सुरक्षा कवच के लिए राजनीति में प्रवेश कर नेताओं के कमाऊ बन जाते हैं फिर धीरे धीरे पद लालसा बढ़ती है। जुगाड़ बनाना, चापलूसी व छोटे मोटे कार्यक्रमों का खर्च वहन करने की जोख़िम के सहारे नेताओं की आवभगत कर ब्लॉक, जिले व राज्य स्तर के संगठन में विभिन्न पदों पर जगह बनने के बाद नेताओं के साथ के फोटो आदि से बायोडेटा तैयार कर जयपुर दिल्ली के रास्ते जान कर गोटियां बिठाते है फिर सता का झुनझना बजता है, झुनझुने की आवाज़ होते ही सत्ता में बैठे लोग जब चुनाव में डेढ़ दो साल बचते हैं तब सोचते हैं चुनावी चोसर में कार्यकर्ताओं की नब्ज़ टटोलते है, सरकार तबादलों में छूट देकर कार्यकर्ता व नेताओं की झुग्गियों के आगे अज़ीब नज़ारे अभिशंषा से ले जोइनिंग तक पेट भराई सत्ता के झुन्नझुने के सहारे से होने के समाचार दबी आवाज़ में सभी विभागों में सुनने में आते हैं इस झुनझुने से सत्ता के लोगों को पता चलता है कि चुनावी ज़मीन की ज़ाजम तैयार हो

रही है। फिर सत्ता के विभिन्न बोर्डों/आयोगों के गठन का झुनझुना बजता है, अब इस झुनझुने की आवाज़ से पार्टी के आकाओं की परख में उन चेहरों के (वोट नोट सोट व जनता के बीच छबी के) पिटारे खुलते हैं। यह झुनझुना (सता का झुनझुना) पाने की जुगाड़ में जाति / धर्म / 36 कोम के तराजू से तोल मोल के गलियारों के पापड़ बेलने पर सता का झुनझुना देकर चुनाव की ज़मीन में खाद पानी देने की कवायद शुरू होती है यह सता की भागीदारी का झुनझुना कई चरणों में बजता है, इसके लिए जातियों की बैशाखियों के सहारे कई झरे - कुड़छै अपनी किस्मत आजमाते हैं। कुछ आश्वासनों के झुनझुने से खुश तो कुछ संगठन के पदों के झनझुने पाकर खुश हो जाते हैं। ये सब अख़बारों में अपने गीत विज्ञापन से जनता में सता व संगठन के ढोल पीटने लगते हैं। इतने में आचार संहिता लागू हो जाती है सत्ता का सुख भोगने से पहले ही चुनावी माहौल पार्टी को जिताने के झुनझुने को बजाते घूमो। अब सत्ता में आने के लिए पार्टी के आकाओं से टिकट रूपी झुनझुना प्राप्त करने की बड़ी रेस के बड़े झुनझुने को पाने की दौड़ के घोड़े दौड़ते हैं। ये तो आप सब जानते हैं यह झुनझुना बहुत बड़े मोल तोल का होता है, ये झुनझुना पाकर छोटे मोटे पुराने झुनझुने, वोटों के सौदागरों के झुंझलाए चेहरों को रोनक प्रदान करने व फिर कई प्रलोभनों के झुनझुने गांव /गली /शहर के कोन कोने में कार्यकर्ता रूपी लोगों के हाथों में थमाए जाता है। ये सत्ता का झुनझुना सत्ता व विपक्ष दोनों के हाथ में बजता है, जिसका झुनझुना जनता की समझ में आ जाए वह झुनझुना सत्ता के गलियारों तक पहुँचने से पहले ही बाड़ेबन्दी में झुनझुना जोड़ तोड़ से सरकार बनने तक अनमोल ही रहता है। सत्ता का नशा विष घोलने व कल्याण कारी कामों के झुनझुने भी सुविधानुसार इस्तेमाल करते हैं। हर स्तर पर झुनझुना बजता है चाहे सामाजिक, धार्मिक व अन्य संस्थाओं में भी सता के लिए झुनझुना बजाना पड़ता है। वाह री सता, वाह रे झुनझुना।

-मईनुद्दीन कोहरी

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

04

जयपुर ≫ सोमवार, 07 मार्च, 2022

8 मार्च : अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

गहने

शादी के बाद जब पहली बार कनक मैके आयी तो उसके खाली गले और सूने हाथ- पाँव देखकर उसकी माँ सुनैना की आँखें फ़टी की फ़टी रह गई।

उससे रहा नहीं गया और मौका मिलते ही वह कनक से पूछ बैठी, तुम्हारे बदन पर एक भी गहने नहीं हैं? न हाथ में कंगन दिख रहे हैं और न ही पाँव में पायल! गले का हार भी गायब। इतनी जल्दी गहनों से मोह भंग हो गया। मेहंदी का रंग छूटा भी नहीं गहनों को संदूक में बंद कर दिये?

संदूक में क्यों बंद रखूँगी? कनक अचकचा कर बोली।

फिर? क्या सासू माँ ने रख लिये या किसी चोर -उचक्के ने झपट लिये? घबराहट में सुनैना एक सांस में कई सवाल कर गयी।

माँ की घबराहट देखकर पल भर के लिए वह विचलित सी हो गयी। उसे समझ में नहीं आया कि क्या जवाब दे। कहीं माँ बुरा मान गयी तो!''

कनक को चुप्पी साधे देखकर किसी अनहोनी की आशंका में सुनैना की बौखलाहट बढ़ती ही जा रही थी। वह उतावली हो बोल उठी, बोलो बेटी! चुप क्यों हो?

लघु कथा

उसे लगा कि अगर अब नहीं बोली तो माँ कुछ अलग ही मतलब लगा लेगी, सो उसे मुँह खोलना ही पड़ा। वह धीमे से बोली :- मैंने सारे गहने ग़रीब और लाचार लोगों के हित में काम करने वाली एक सामाजिक संस्था को दान में दे दिये। सुनकर सुनैना का मुँह खुला का खुला ही रह गया।

क्या? किसी ने एतराज़ नहीं जताया? पति भी कुछ नहीं बोले? सुनैना की आँखें अचरज़ से फैलती ही गई।

शुरू -शुरू में सबको आपत्ति हुई थी। मगर जब मैंने मन की बात बतायी तो सबने दिल खोलकर मेरी तारीफ़ की और सिर आँखों पर बिठा लिया। कहते-कहते कनक का चेहरा दर्प से चमक उठा।

वहीं हताशा में डूबी सुनैना गहरी सांस लेकर भारी मन से बोली :-''कैसी नादान है रे! गहना तो औरतों का श्रृंगार होता है। इसके बिना तो औरत का सौंदर्य अधूरा होता है। मगर मुझे हैरत हो रही है कि औरत होकर भी तुझे गहनों से ज़रा भी मोह नहीं।

प्रत्युत्तर में कनक बोली - हाँ माँ! मुझे सोने चाँदी के चमकते गहनों से कोई लगाव नहीं। मेरा गहना तो ग़रीबों का सुख और उनके शुष्क ओठों की हँसी ही है, इससे मुझे जो सुकून मिलता है, वह इन चमकते गहनों से कहीं ज्यादा होता है। कनक का जवाब सुनकर सुनैना अवाक् हो बस देखती रह गयी।

अनय कुमार भारती
भागलपुर (बिहार)

होशियार घरनी

मिन्नी मिश्रा, पटना

ये सब कहाँ से? इस महीने घर खर्च के लिए मैंने तुम्हें पैसे भी नहीं दिए थे! जिज्ञासावश मैंने राधा (पत्नी) से पूछा।

पहले आप इसे चखकर बताइए, कैसा बना है? राधा ने हलुए, पकौड़े और चटनी से भरी प्लेट मेरे आगे बढाते हुए कहा।

आख़िर इतनी सारी सामग्री राधा कहाँ से लायी? कारखाने में हड़ताल हो जाने के कारण मुझे दो माह से तनख़्वाह नहीं मिली है। ओह! ये हड़ताल! इसे अभी होली में ही होना था! सोचा था राधा को एक नई साड़ी लाकर दूँगा! कहाँ से होली में मजदूरों को बोनस मिलता, यहाँ तनख़्वाह भी नदारद। मजदूरी करना, गुलामी करने से कम थोड़ ही है!

अरेऽऽऽ..मिस्टर, कहाँ खो गये? कुछ बताया नहीं। समझ गई, ज़रुर कुछ गड़बड़ है।

पत्नी की मधुर आवाज़ सुनते ही मैं वर्तमान में लौट आया।

नहीं, नहीं, बहुत स्वादिष्ट है। पहले ये बताओ, तुम्हारे पास तो पैसे नहीं थे, आख़िर तुम इतना सारा सामन कैसे ले आयी?

प्लेट का हलुआ चखते हुए ,प्रशनवाचक दृष्टि से मेरी ओर मुख़ातिब हो उसने कहा ।

मैंने पलटवार किया, अच्छा! अब मुझे हिसाब भी देना पड़ेगा। सुनिए जी, दादी ने बचपन में मुझे एक कहानी सुनाई थी, जिसका सार था। 'खुश रहने के लिए कभी पैसों को राह का रोड़ा न बनाने दें।'

आज मैंने वही किया। पिछवाड़े, अपने बारी से एक नन्हा कद्दू (लौकी) और प्याज साग तोड़कर ले आयी। कद्दू का हलुआ बनाया और प्याज साग के पकौड़े । घर में पड़ी खटाई की चटनी बना डाली । ये देखिए, पहले के बचे हुए मैदे में पिसी हल्दी और सिंदूर मिलाकर गुलाल भी बनाया है।

आपका चेहरा उतरा क्यों है?

इतने परेशान क्यूँ हैं ? आज न कल तनख़्वाह तो मिलेगी ही। यह हमारी शादी की पहली होली है। बताइये, इसे क्यूँ फीका होने दूँ...हा हा हा!

कहते हुए राधा ने कटोरे का सारा गुलाल मेरे ऊपर उड़ेल दी।

और मैं उसकी समझदारी पर मंत्रमुग्ध हो गया ! झट अपने चेहरे से झड़ रहे गुलाल को समेट कर पत्नी के कपोल पर लेपते हुए खुशी से चिल्लाया, अरी..तू तो सच में मेरी होशियार घरनी है।

गौरी की होली

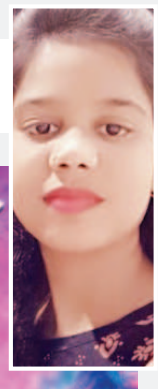

प्रिया देवांगन प्रियू
छत्तीसगढ़

एक छोटी सी लड़की थी। नाम था गौरी। बहुत ही सीधी-सादी लड़की। गौरी किसी से ज़्यादा बात नहीं करती थी। स्कूल में वह अपनी पढ़ाई-लिखाई से ही मतलब रखती थी। सभी बच्चे मैदान में खेलते थे, लेकिन वह चुपचाप कक्षा में बैठी रहती थी। सहमी-सहमी सी रहती थी। क्लास के बच्चे जब उससे बातें करते थे, तभी वह कुछ बोलती थी। उसकी एक भी क़रीबी सहेली भी नहीं थी। छुट्टी में बच्चे जब खेलने के लिये उसे बुलाते थे, तो वह साफ़ मना कर देती थी। फिर बच्चों ने भी उसे बुलाना बंद कर दिया। गौरी को अकेला रहना ही पसंद था।

एक बार गौरी बीमार पड़ गयी। उसके माता -पिता गौरी को लेकर अस्पताल गये। डॉक्टर ने गौरी से पूछा- स्कूल में तुम्हारी कितनी सहेलियाँ हैं। गौरी अब भी चुप थी। फिर उसके माता- पिता ने बताया- यह किसी के साथ नहीं खेलती। चुपचाप और अकेली रहती है। डॉक्टर ने गौरी को समझाया- अगर तुम दूसरे बच्चों के साथ खेलोगी, तो ज़ल्दी ही ठीक हो जाओगी। तुम्हारा इस तरह रहना ही

तुम्हारी इस बीमारी का कारण है।

दो दिन बाद होली का त्यौहार था। सभी बच्चे मोहल्ले में होली खेल रहे थे। गौरी खिड़की से बच्चों को होली खेलते व पिचकारी चलाते देख रही थी; तो उसका भी मन होली खेलने को हुआ। लेकिन किसी से कुछ कहने की उसकी हिम्मत नहीं हुई। वह चुप चाप देखती रही। बच्चे होली खेलते-खेलते खिड़की के पास आये। गौरी से कहने लगे कि आओ तुम भी हम लोगों के साथ होली खेलो। बहुत मज़ा आएगा।

गौरी एक ही बार में ही मान गयी। फ़ौरन घर से बाहर आई। सबसे पहले गौरी ने अपने हाथों से सब को रंग-गुलाल लगाया। सभी बच्चों ने खुश होकर गौरी के चेहरे पर रंग-गुलाल लगाया। उस दिन से गौरी सबके साथ मिल-जुल कर रहने लगी। इस बार की होली यादगार रही।

देदीप्यमान लौ हूँ

मैं मैं हूँ,
आंगन की रौनक हूँ
फुलवारी की महक हूँ, किलकारी हूँ,
मैं व्यक्ति हूँ, सृष्टि हूँ
अपनों पर करती नेह वृष्टि हूँ
मैं अन्तर्दृष्टि हूँ, समष्टि हूँ
सूक्ष्मदर्शी हूँ, दूरदर्शी हूँ
ममता की मूरत हूँ
समाज की सूरत हूँ
मैं मैं केवल देह नहीं
संस्कृति की रूह हूँ
मैं पावन नेह गगरिया हूँ
मैं सावन मेह बदरिया हूँ
मैं इंसानियत में पगी
अपनेपन में रंगी
सपनों से लदी
अपनों में रमी
मौज़ हूँ
धड़कता दिल हूँ
आला दिमाग हूँ
राग हूँ, रंग हूँ
फाग हूँ ,जंग हूँ
मंजिल हूँ, मझधार हूँ
मैं जन्नत हूँ,मन्नत हूँ
मैं मैं हूँ
मैं ख़्वाब हूँ, नायाब हूँ
लाजवाब हूँ
किसी की कायनात हूँ
मैं संस्कार हूँ
सभ्यता का आयाम हूँ
संस्कृति का स्तंभ हूँ
उत्थान -पतन का पैमाना हूँ
मैं दुर्गा हूँ, सरस्वती हूँ
मैं सीता हूँ, सावित्री हूँ
मैं धरा हूँ, धुरी हूँ
मैं शक्ति हूँ, आसक्ति हूँ
मैं सावन की फुहार हूँ ,
घनघोर घटा हूँ
मैं आस्था हूँ ,विश्वास हूँ
मैं उत्साह हूँ, उल्लास हूं
मैं साधन नहीं साधना हूँ,
आराधना हूँ
ना भोग हूँ, ना भोग्या हूँ
परिपक्व क्षीर निर्झर हूँ
परिवार का गुमान हूँ
ईश्वर का वरदान हूँ
देदीप्यमान लौ हूँ
देदीप्यमान लौ हूँ
नारी अपराजिता थी
अपराजिता है
और अपराजिता रहेगी
मैं मैं हूँ
मैं मैं हूँ
देदीप्यमान लौ हूँ

ज्ञानवती सक्सैना 'ज्ञान'

ज़िन्दगी और गड्ढे

वीना चौहान
संस्थापक नारी कभी ना हारी, लेखिका साहित्य संस्थान, जयपुर

ज़िन्दगी के गड्ढे बड़ी मुश्किलों से भरते है,
चाहे वे पथरीली ज़मीन में हो ,या वसीयत में मिली ज़िम्मेदारियों में,
एक उम्र गुज़र जाती है,
ज़िन्दगी के गढ्ढे भरने में,
टूटने लगती है उमंगे ,तमन्नाऐ
हिम्मत ज़बाब देने लगती है,
फिर कोई ना कोई सिर फिरा,
कह उठता है, किया ही क्या है?
उस समय सब रिश्ते नाते,
बेमानी लगने लगते है।
हर शख़्स,स्वार्थ, छल, प्रपंच में
जकड़ा हुआ, रंगा,,,लगता है।
ऐसा, क्या, सबके साथ होता है?
या हम बिरले ही जन्म लेते है।
दूसरो के खोदे, गड्ढे भरने के लिए
छल, प्रपंच,में लिपटे, मीठे बोलो,
के पीछे की कलाई, कब खुलती है?
या ये नक़ाबपोश, फलते फूलते रहते है सदा,
नागफनी की भाँति, मुँह उठाये,
सभ्य समाज में सिर ऊँचा उठाये।

अस्तित्व स्त्री का

फूल जैसी कोमल नारी काँटों जैसी कठोर नारी।
अपनों की सुरक्षा के लिए सबसे अव्वल नारी।
सारे दुखों को दूर करके खुशियाँ समेटे नारी।
फिर भी लोग क्यों कहते तेरा क्या अस्तित्व नारी।
जब भी अपनी छोटी छोटी खुशियों को जीने लगती नारी
दुनियाँ दिखाती है उसे उसके दायरे रेखा सारी।
अपने धर्म में फँसी नारी अपने कर्म में बंधी नारी।
अपनों की खुशियों के लिए अपने सपने कुर्बान करती नारी।
धरती जैसी सहन शील नारी पानी जैसी शीतल नारी।
नारी को प्रकृति ने दी है शक्ति सारी ,
अपमान ना करो इसे कहकर बेचारी।
नारी भी छू सकती है सारा आकाश,
बस उसे है एक मौके की तलाश।
कभी लक्ष्मी का रूप, तो कभी चण्डी का,
तो कभी सरस्वती का रूप है नारी।
वही है देश महान जो करते नारी का सम्मान।
समानता का अधिकार पाये नारी अब आगे आये।
अब अबला नहीं रही नारी सबला बनने की कहानी है जारी।
फिर भी लोग कहते तेरा क्या अस्तित्व नारी।
फूल जैसी कोमल नारी काँटों जैसी कठोर नारी।

शीतल भार्गव
छबड़ा जिला बारां
राजस्थान

पास आ गई, चुनाव की घड़ी।

नेता जी निकाले,
जादू की छड़ी।।
नकद नारायण,
भले न दें पर।
वादे तो करेंगे,
बड़ी से बड़ी।।
इन वादों में,
आप देख लो।
किसी को मिलता,
मुफ़्त सिलिंडर।।
पानी नल से,
भरपूर आएगा।
घर में बिजली,
निःशुल्क पाएगा।।
झुनझुना मिलेगा,
रोजगार का।
तो कोई पाएगा,
कंबल और दरी।।
आचार संहिता,
ताक़ में रखते।
लगाते वो ऐसे,
लोभ की झड़ी।।
चुनाव आयोग का,
क्या खूब नियम है!
नकद में दंड तो,
प्रलोभन कायम है।
देख के इनको,
जनता त्रस्त है।
वोट देने वह,
धूप में खड़ी।।
पास आ गई,
चुनाव की घड़ी।

तुषार शर्मा नादान
छत्तीसगढ़

स्त्री शक्ति का विश्वास

इस धरा पर
पुरूष रूप पाकर.
मैंने देखा हैं,
स्त्री शक्ति का विश्वास.
टूटा हूँ जब जब मैं!
स्त्री शक्ति
तुम्हारे एहसास थे
मेरे लिए कुछ ख़ास
भूमिका में
तुम चाहें जो भी
रहीं हों,
पर प्रेरणा भरा
रहा है तुम्हारा
हर एक अंदाज़!
मैं, कृतज्ञ हूँ
मेरे हृदय में तुम्हारे
लिए बेहद सम्मान है आज।

आनंद प्रकाश शर्मा
लेखक साहित्यकार,
पिपरिया म.प्र.

नारी धरती रूप है

नारी धरती रूप है,
जग का सृजन करे।
नारी में निहित है,
शुद्द विवेक।
नारी मन निर्मल करें,
हर लेती अविवेक।
पिया संग अनुगामिनी,
ले हाथों में हाथ।
सात जन्मों की शपथ लें,
सदा निभाती साथ।
हर युग में नारी ही हुई,
त्याग की आन की खान।
स्वयं को समर्पित कर,
करती सबका उत्थान।
ममता की वर्षा करें,
होती है परिवार की-
आन मान और शान।
पिया संग हो कामिनी,
मातुल सुत के साथ;
सास- ससुर को सेवती-
रूकते न कभी हाथ।
काल के कपाल पर,
लिखा हुआ मंत्र है नारी।
हर युग में पूजित हैं-
राधा, सीता, द्रोपदी,
अनसुया,मीरा, सची,
सुलोचना, दुर्गा, शारदा,
एवं महाकाली।
सकल जगत को अंकुर दे,
'माँ' स्वरूप में पूजित।

उमेश नाग
कवयित्री, जयपुर

अस्मिता की तलाश में नारी

न मैं देवी न मैं दुर्गा
न मैं अबला नारी हूँ
न मैं दूंगी अग्निपरीक्षा
न ही मैं बेचारी हूँ
तन से कोमल
मन से चंचल
दृता से पाषाण हूँ मैं
इज्जत पर गर बन जाए तो
छुरी, भाला, तलवार हूँ मैं।

ये है आज की नारी जो देवी, दुर्गा, सीता, सावित्री, द्रोपदी, अनुसूया, अहिल्या आदि बनने से इंकार करती हैं। वो स्त्री है और स्त्री ही बनी रहना चाहती है। वो देवी बनकर परम्पराओं की बेदी पर नही चढ़ना चाहती है। आज तक तो यही होता आया है उसके साथ। इस पितृसत्तात्मक समाज ने देवी कह कह कर जो उसका शोषण किया है उसका तो इतिहास ही गवाह है।

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता। पहले तो यह कहकर उसे आसन पर बैठाया। उसके बाद नारी नरक का द्वार कहकर उसे तिरस्कृत भी किया। अब सवाल यह उठता है कि आख़िर किस बात को सच माने। जब पुरुष की इच्छा हुई उसे देवी का दर्जा दे बहलाया, फुसलाया और जब उसकी ज़रूरत ख़त्म तो नरक का द्वार कहकर उसे दुत्कार दिया।

हमारे धार्मिक ग्रन्थों ने भी नारी की कम अवहेलना नहीं की है। 'रामचरितमानस' की ये पंक्तियाँ ढोल गंवार शूद्र पशु नारी, सकल तारणा की अधिकारी। भारतीय पुरुषों ने इन पंक्तियों का उदाहरण दे दे कर औरतों का खूब शोषण किया है और अब भी कर रहे हैं।

'स्त्री' यह महज़ एक शब्द ही नहीं है बल्कि एक ऐसी धुरी है जिसके इर्द गिर्द सारा ब्रह्माण्ड घूमता है। स्त्री के बिना तो संसार की कल्पना ही नही की जा सकती। फिर वो स्त्री माँ, पत्नी, बहिन, बेटी, प्रेमिका किसी भी रूप में हो अपने हर रूप में वो हर उत्तरदायित्व को निभाती है। अपना सब कुछ वो परिवार तथा समाज पर न्यौछावर कर देती है लेकिन फिर भी उसके महत्व को पुरुषों से कम ही आंका जाता है और उसे दोयम दर्जे का ही प्राणी माना जाता है और न जाने कब तक माना जाता रहेगा।

सदियों से पितृसत्तात्मक समाज द्वारा स्त्रियों को छला जाता रहा है, उनका शोषण तथा दमन किया जाता रहा है। युग चाहे जो भी रहा हो लेकिन स्त्रियों की स्थिति, उनकी समस्याएँ हर युग में वही रही हैं जो सदियों पहले थी। आज हम भले ही शैक्षिक तथा वैज्ञानिक उन्नति कर रहे हैं, भले ही हम बुलंदियों के परचम लहरा रहें हो, इससे यह सच्चाई नही बदल जाती कि स्त्रियों को लेकर समाज की मानसिकता बदल गई है। स्त्रियों को लेकर समाज की मानसिकता आज भी वही है जो सदियों पहले थी बस समय बदला है, स्थितियां आज भी जस की तस ही हैं।

मात्र यह देखकर की आज स्त्रियाँ शिक्षा ग्रहण करने लगी हैं , नौकरी करने लगी हैं, जींस - स्कर्ट या फिर फैंसी ड्रेस पहनने लगी हैं तो इससे यह नही मान लेना चाहिए कि स्त्रियों की स्थिति पूर्णतः सुधर गई है। आज स्त्रियों की स्थिति में जो थोड़ा बहुत बदलाव आया है वो आटे में नमक के समान है और यह बदलाव भी कोई खुशी खुशी नही आया है इसके लिए स्त्रियों को बहुत संघर्ष करना पड़ा है बहुत लम्बी लड़ाई लड़नी पड़ी है।

लघु कथा

डॉ.मनोरमा गौतम
नई दिल्ली

आज स्त्री पढ़ लिख रही है, उच्च शिक्षा ग्रहण कर रही है, हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही है। ऊँचे ऊँचे पदों पर बैठ परिवार तथा कुल का नाम रोशन कर रही है। किन्तु इन सबके बावजूद भी हमारा पितृसत्तात्मक समाज उसको वो सम्मान या अधिकार नही दे पा रहा है जिसकी वो वास्तविक हकदार हैं। हमारा पितृसत्तात्मक समाज उसको उतना ही उड़ने देना चाहता है जितना कि वो खुद उसको उड़ते देख सकता है। पुरुष स्त्री की उड़ान की डोर अपने हांथ में रखना चाहता है यह सोंचकर कि कहीं स्त्री की उड़ान उससे ऊंची न हो जाए ताकि जब भी स्त्री उससे आगे निकलने की कोशिश करे तो पुरुष उसकी डोर को पकडकर नीचे खींच सके और उसकी उड़ान पर पूर्ण विराम लगा सके।

स्वार्थ हेतु तथा अपनी आर्थिक स्थिति को मज़बूत करने के लिए पुरुषों ने स्त्रियों को नौक़री करने की इजाज़त तो दे दी है लेकिन उसकी सीमाएँ निश्चित कर दी है। उसके दफ़्तर , ऑफिस, कार्यस्थल पर जाने - आने का समय तय कर दिया है। नौकरी पर जाने से पहले उसे घर, बच्चों तथा परिवार के सभी सदस्यों का काम निपटाना होगा और आकर भी सारा काम करना होगा। अपने कार्यस्थल पर फ़ालतू समय नहीं बिताना, साथी पुरुषों से बात नही करना। समय से अधिक एक मिनट की भी देरी नही करना। यदि किसी कारणवश स्त्री घर आने में थोड़ी भी देरी करती है तो उस पर प्रश्नचिन्ह लगाए जाते हैं, उस पर तरह तरह के लांछन लगाए जाते हैं, उसके चरित्र पर उंगली उठाया जाता है? यहाँ तक कि पति या फिर घर के अन्य पुरुष सदस्यों द्वारा उसके साथ हिंसात्मक बर्ताव किया जाता है। वाह रे! भारतीय पितृसत्तात्मक समाज जब पुरुष घर पर देरी से आए तो चिंता जताई जाती है और जब स्त्री देर से आए तो सवाल उठाएं जाते हैं। पुरुष देर से आए तो जिम्मेदार और स्त्री देर से आए तो बदचलन। क्या विडम्बना है समाज की।

आज भले ही हम आधुनिक युग में जी रहे हैं और उत्तरआधुनिकता की ओर बढ़ रहें हैं किन्तु इससे स्त्रियों को लेकर समाज की सच्चाई नहीं बदल जाती। आज स्त्री और पुरुष दोनों ही बाहर आ जा रहे हैं , दोनों का ही अपना अपना सामाजिक स्तर है , दोनों के ही स्त्री पुरुष दोनों ही तरह के मित्र हैं। समाज में पुरुष की तो महिला मित्र स्वीकार की जाती है किन्तु किसी स्त्री का यदि कोई पुरुष मित्र है तो पितृसत्तात्मक समाज आज भी उसे नही स्वीकारता। यहाँ तक कि खुद वो पुरुष या पति भी जिसकी अपनी खुद की महिला मित्र है वो भी नही स्वीकारता। इतना ही नहीं पुरुष मित्र बनाने वाली महिलाओं को समाज अच्छी नजर से नही देखता उसे बत्तमीज, बेशर्म, बेहया आदि नामों से सम्बोधित करता है।

मेरे मन मस्तिष्क में एक ही सवाल बार बार कौंधता है जब स्त्री और पुरुष दोनों ही समाज की धूरी हैं तो फिर स्त्री ही दोयम दर्जे की प्राणी क्यूँ और पुरुष क्यूँ नहीं? आख़िर जब किसी भी समाज के निर्माण में दोनों की भागीदारी एक समान है तो एक (पुरुष) श्रेष्ठ कैसे और दूसरा (स्त्री) निम्न कैसे? जब प्रकृति ने स्त्री पुरुष के बीच भेद नहीं किया तो उनमे भेद करने वाले हम मानव कौन होते हैं। नर और मादा प्रकृति द्वारा निर्मित दो ऐसे प्राणी हैं जो संसार के पुनर्सृजन में बराबरी का योगदान देते हैं, तो फिर यह भेद क्यों? यह तो समाज की विडम्बना रही है कि समानता के द्वारा असमान्यता की सृष्टि की जा रही है।

नो-नॉनसेंस एक्ट्रेस

धमकी से डरती नहीं ईशा

फिल्म अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने खुलासा किया है कि उन्हें एक कलाकार ने घर पर अकेले मिलने के लिए बुलाया था. ईशा कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं. वह खल्लास गाने पर स्पेशल नंबर भी कर चुकी हैं. उन्हें एक बार एक अभिनेता की बेटी ने फिल्म में रिप्लेस भी किया है. वह अपने बेटे के जन्म लेने के बाद फिल्म इंडस्ट्री में यदा-कदा ही नजर आती हैं. उन्होंने अपने बारे में यह धारणा बना रखी है कि वह नो-नॉनसेंस एक्ट्रेस हैं और किसी के डराने-धमकाने से डरती नहीं. इसके चलते उन्हें कई प्रोजेक्ट से हाथ भी धोना पड़ा.

अकेले मिलने बुलाया

उनके कई प्रोजेक्ट अब जल्द रिलीज होने वाले हैं. उन्होंने 'एक था दिल, एक थी धड़कन' नामक फिल्म से 1998 में डेब्यू किया था. इसके बाद उन्होंने फिजा, प्यार इश्क और मोहब्बत, कंपनी, कांटे और दिल का रिश्ता जैसे फिल्मों में काम किया. उन्होंने 2009 में टिम्मी नारंग से शादी कर ली. उन्हें एक बेटी भी है. उन्होंने कहा, 'यह सन 2000 की बात है. मुझे एक नए प्रोड्यूसर ने मिलने बुलाया. वह हीरो के संपर्क में रहता था. मुझे पता नहीं था. उसके कहने पर मैंने अभिनेता से बात की. उसने मुझे अकेले मिलने के लिए बुलाया. तब उसपर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप नहीं लगा था. उन्होंने मुझे बिना अपने स्टाफ के आने के लिए कहा. मैंने अपने निर्माता को फोन किया और कहा कि मैं अपने प्रतिभा के कारण यहां पर हूं. मुझे बाद में फिल्म से निकाल दिया गया.' ईशा ने मराठी, कन्नड़ और तेलुगू फिल्मों में भी काम किया है. वह राकेश बापट के साथ 'अस्सी नब्बे पूरे सौ' में भी नजर आने वाली हैं. हालांकि यह फिल्म 8 वर्षों से रुकी हुई है.

माधुरी का 'दुपट्टा मेरा' वायरल, लोग बोले

'आजा नच ले' का कॉपी पेस्ट

माधुरी दीक्षित हाल ही में वेब सीरीज द फेम गेम में नजर आई हैं. इसमें उन्होंने दुपट्टा मेरा गाने पर डांस किया है. हालांकि फैंस इस गाने को 'आजा नच ले' की कॉपी बता रहे हैं. द फेम गेम माधुरी दीक्षित की डेब्यू वेब सीरीज है. कई प्रशंसकों को उनका यह गाना काफी पसंद भी आया है.

माधुरी का गाना 'दुपट्टा मेरा' काफी वायरल हो रहा है. उन्होंने गाने में लाल कलर का लहंगा पहन रखा है और उनके पीछे बैकग्राउंड डांसर डांस करते हुए नजर आ रहे हैं. इस गाने को लेकर प्रशंसकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया है. उनका गाना करण जौहर ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है. उन्होंने लिखा है, 'वह एक बार फिर वापस आ गई हैं. डांस देखकर आप खुश हो जाएंगे और अनामिका वही है. इस गाने को वैभवी मर्चेंट ने कोरियोग्राफ किया है.'

- इस पर एक प्रशंसक ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है कि यह माधुरी के सुपरहिट गाने 'आजा नच ले' का कॉपी-पेस्ट है.
- वहीं एक अन्य ने लिखा है, 'यह लेडीज वर्सेस रिकी बहल मूवी का कॉपी लग रहा है.'
- एक फैन ने लिखा है, 'यह गाना हलकट जवानी का कॉपी लग रहा है.'
- एक फैन ने लिखा है, 'इंडियन वेब सीरीज में बस यही खराबी है बिना गाने के सीरीज कंप्लीट नहीं होती.'
- द फेम गेम में माधुरी अनामिका की भूमिका निभा रही हैं. वहीं वेब सीरीज में संजय कपूर, मानव कौल और मुस्कान जाफरी की भी अहम भूमिका है.

लोगों को पसंद नहीं आई केमिस्ट्री

दिशा के पापा से बड़े हैं दबंग

सलमान खान ने हाल ही में दबंग टूर के लिए दुबई में परफॉर्म किया है. इस मौके पर उनके साथ पूजा हेगड़े और दिशा पाटनी ने भी परफॉर्म किया. एक वीडियो में सलमान दिशा के साथ सीटी मार गाने पर डांस करते नजर आ रहे हैं. इसमें दोनों की उम्र के बीच के अंतर को लेकर उन्हें ट्रोल किया जा रहा है. एक फैन ने लिखा, 'सलमान दिशा पाटनी के पिता से भी बड़ी उम्र के होंगे, किस प्रकार की केमिस्ट्री की बात की जा रही है!'

पूजा संग नहीं बनी बात

सलमान ने पूजा के साथ जुम्मे की रात है, गाने पर परफॉर्म किया. उन्होंने इस गाने का हुक स्टेप करने का प्रयास किया, पर इस बीच पूजा द्वारा वन पीस ड्रेस पहनने के कारण उनसे यह नहीं हो पाया और यह एक विचित्र परिस्थिति में बदल गया. वीडियो में विचित्र परिस्थिति होने के चलते लोग सलमान को जमकर ट्रोल कर रहे हैं. जुम्मे की रात है गाने में जैकलीन ने उनके साथ डांस किया था. गाने में सलमान जैकलीन के स्कर्ट का कपड़ा मुंह में पकड़कर डांस करते हैं, हालांकि पूजा ने ऐसा कोई कपड़ा नहीं पहन रखा था, इसके चलते उनका यह स्टेप काफी खराब लग रहा है. इसके चलते उन्हें ट्रोल किया जा रहा है. एक ट्रोलर ने लिखा है, 'सलमान पूजा के साथ एक असंभव डांस स्टेप करने का प्रयास करते हुए.'

कैनवास पेंटिंग करती अनुष्का

अभिनेत्री अनुष्का शर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें पेंटिंग करती हुई दिख रही हैं. इस वीडियो को अनुष्का ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें वो एक कैनवास पेंटिंग करती हुई दिख रही हैं. वीडियो की शुरुआत में वे पेंट प्लेट पर कलर निकालती हुई दिख रही हैं और इसके बाद वो एक कैनवास पर ब्रैश से पेंट करती हुई नजर आ रही हैं. उनकी पेंटिंग में एक मुस्कुराती हुई इमोजी और पेंटिंग पर लिखा है- 'पैक अप'. उन्होंने लिखा, जब वो आपको सेट की दीवारों पर पेंट करने देते हैं और आप एक सर्वश्रेष्ठ कृति छोड़ देते हैं.

सामंथा के दिमाग पर आलिया की छाप

आलिया भट्ट अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की रिलीज के बाद से जबरदस्त सुर्खियों में छाई हुई हैं. साउथ फिल्मों की स्टार एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने उनकी तारीफ की है. सामंथा फिल्म में आलिया की परफॉर्मेंस देखकर इतनी इंप्रेस हुईं कि उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर उनकी जमकर तरीफ की. सामंथा ने लिखा, 'फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' एक मास्टरपीस है. आलिया आपकी तारीफ के लिए शब्द कम पड़ जाएंगे. हर एक डायलॉग और एक्सप्रेशन ने मेरे दिमाग में सदा के लिए आपनी एक छाप छोड़ दी है.' सामंथा से पहले आलिया की फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' देखने के बाद एक्टर विक्की कौशल, रितेश देशमुख, जान्हवी कपूर, रिद्धिमा कपूर साहनी और आलिया के साथ काम कर चुके निर्देशक शशांक खेतान ने भी इंस्टास्टोरी शेयर कर तरीफ की थी.

- विक्की कौशल ने लिखा, 'इस फिल्म में प्रदर्शित होने वाली शानदार प्रतिभा से बिल्कुल हिल गया हूं. एसएलबी आप एक मास्टर हैं! और आलिया मुझे यह भी नहीं पता कि आपके बारे में क्या कहूं ... गंगू के रूप में आश्चर्यजनक रूप से अद्भुत! सलाम. बड़े पर्दे सिनेमा का जादू. डोंट मिस.'
- रणबीर कपूर की बहन रिद्धिमा ने लिखा, 'जब दो जीवित दिग्गज एक साथ आते हैं तो जादू बिखेरते हैं. आलिया भट्ट, संजय लीला भंसाली क्या शानदार फिल्म है! आलिया, यू नेल्ड इट.'

धीरे-धीरे प्यार को बढ़ाना है...

अनन्या के कंधे पर ईशान का हाथ

अनन्या पांडे और ईशान खट्टर के बीच धीरे-धीरे प्रेम बढ़ रहा है. दोनों की खूबसूरत तस्वीरें इंस्टाग्राम पर वायरल हो रही है. यह तस्वीरें वीडियो के स्वरूप में शाहिद कपूर ने शेयर की हैं. तस्वीरों में दोनों को शाहिद के साथ इंजॉय करते हुए देखा जा सकता है. एक तस्वीर में शाहिद अनन्या के गाल पर किस कर रहे हैं. वहीं अगली फोटो में अनन्या के कंधे पर ईशान ने हाथ रखा है.

एक तस्वीर में तीनों साथ नजर आ रहे हैं. दोनों साथ में काफी खुश नजर आ रहे हैं. यह पहली बार है जब ईशान और अनन्या की तस्वीरें शाहिद के साथ नजर आई हैं. इसके पहले दोनों के अफेयर की खबरें अक्सर आती थीं. दोनों को कई बार साथ भी देखा गया. हालांकि दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को सार्वजनिक नहीं किया है. हाल ही अनन्या ने कहा था कि ईशान का उन पर बड़ा प्रभाव है और वह उन्हें बहुत प्यार और सपोर्ट करते हैं.

नवाजुद्दीन संग जोड़ी बनने पर बोली एक्ट्रेस

बड़ी उम्र वाले हीरो से रोमांस पसंद

अवनीत कौर छोटे पर्दे की अभिनेत्रियों में से एक हैं. वह जल्द ही अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ स्क्रीन शेयर करने वाली हैं. अवनीत और नवाजुद्दीन जल्द फिल्म 'टिंकू वे * शेरू' में नजर आने वाले हैं. इस फिल्म में इन दोनों के साथ अभिनेत्री कंगना रनौत भी मुख्य भूमिका में होंगी. इस फिल्म में अवनीत कौर नवाजुद्दीन के साथ रोमांस करती हुई दिखाई देंगी.

अवनीत अभी महज 20 साल की हैं, वहीं नवाजुद्दीन 47 साल के हैं. दोनों के बीच 27 साल की उम्र का फासला है. अवनीत ने कहा कि उन्हें अपने से ज्यादा उम्र वाले को-स्टार के साथ रोमांटिक सीन करने में कोई परेशानी नहीं है. अभिनेत्री ने कहा, 'मैं किसी मेल और फीमेल कलाकारों के बीच उम्र के फासले को समय के रूप में नहीं देखती हूं. ऐसा पहले भी हुआ है लेकिन कलाकारों के अभिनय की सराहना की गई है. इतना ही नहीं, ऐसी कई जोड़ियों को पॉजिटिव प्रतिक्रिया मिली है. कंगना पहले ही कह चुकी हैं कि यह फिल्म की जरूरत थी और मैं उनसे सहमत हूं.' फिल्म टिंकू वेड्स शेरू एक डार्क कॉमेडी ड्रामा फिल्म है.

सपने में जी रही भूमि

एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर फिल्म 'दम लगा के हईशा' पर इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें फिल्म के कुछ फेमस सीन्स नजर आ रहे हैं. उन्होंने लिखा, आज जब मैं पीछे मुड़कर उस लड़की की ओर देखती हूं, जिसने दम लगा के हईशा से शुरुआत की थी. जहां मैं बड़ी हुई, मैं फिल्म दम लगा के हईशा को पाकर धन्य हो गई और संध्या को इतना प्यार देने के लिए शुक्रिया. उन्होंने लिखा, संध्या से सुमी तक ये किसी सपने से कम नहीं है, एक सपना जो मैं अभी भी जी रही हूं. आयुष्मान खुराना आप मेरे लिए हमेशा खास हैं और रहेंगे. आप एक अभिनेता और इंसान के रूप में मेरी यात्रा का एक कभी न भूलने वाला हिस्सा हैं. ये फिल्म महिलाओं को सही रूप से पेश करती है और डीएलकेएच शरीर की सकारात्मकता के बारे में बात करती है. इस तरह की फिल्में हर दिन नहीं बनती हैं. आयुष्मान और भूमि अभिनीत फिल्म दम लगा के हईशा की कहानी प्रेम नाम के एक स्कूल ड्रॉपआउट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अनिच्छा से शिक्षित और अधिक वजन वाली लड़की संध्या से परिवार के दबाव में शादी कर लेता है. लेकिन निजी संबंधों की वजह से दोनों अलग हो जाते हैं और अंत में एक दौड़ में भाग लेने के बाद दोनों एक-दूसरे के करीब आते हैं.

मीरा का साड़ी पोज

शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत ने अपने इंस्टाग्राम पर फैमिली वेडिंग की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो शिफॉन की साड़ी पहने हुए बेहद खूबसूरत दिख रही हैं. उन्होंने कहा, अगर मुझे किसी ऐसे अवसर पर एक तरह का पहनावा पहनना होता है, जिसमें किसी भी स्तर की औपचारिकता या उत्सव की आवश्यकता होती है, तो ये एक शिफॉन की साड़ी होगी. साथ ही उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर फैमिली वेडिंग की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो अपनी मां, ननद और बहनों के साथ पोज देती हुई नजर आ रही हैं.

मुफ्त इलाज़ है मुस्कुराना

एक्ट्रेस रकुलप्रीत सिंह ने अपने इंस्टाग्राम पर वेकेशन की तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वो समुंदर किनारे चिल करती हुई दिख रही हैं. फोटो में देखा जा सकता है कि अभिनेत्री कलरफुल श्रग पहने हुए समुंदर किनारे बने एक प्वाइंट पर बैठकर पोज देती दिख रही हैं. इस फोटो को इंस्टाग्राम पर शेयर कर अपने लापटर थेरेपी के बारे में बात करते हुए उन्होंने लिखा, मुस्कुराओ, ये मुफ्त का इलाज है. उनकी इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर खूब पसंद किया जा रहा है. फोटो को अब तक 5 लाख से ज्यादा लोग लाइक कर चुके हैं और बॉलीवुड कलाकार कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं.

अभिनेता बॉबी देओल इन दिनों अपनी स्पाई थ्रिलर फिल्म लव हॉस्टल को लेकर काफी सुर्खियों में हैं. वो अक्सर अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने परिवार के सदस्यों के साथ फोटोज वीडियो शेयर करते रहते हैं.

मज़बूत ब्रांड

अब उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो अपने बड़े भाई सनी देओल के साथ नजर आ रहे हैं. इस वीडियो में दोनों भाई एक दूसरे को गले लगाते हुए दिख रहे हैं और मुस्कुराते हुए पोज देते हुए दिख रहे हैं. साथ ही वीडियो में दोनों भाइयों का बेहद मजबूत बांड दिखाई दे रहा है. वहीं, वीडियो में एक सांग भी सुनाई दे रहा है, जो वीडियो को एक इमोशनल टच भी दे रहा है. इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने कैप्शन लिखा- भइया! और हार्ट की इमोजी भी शेयर की है. सनी और बॉबी की इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर खूब पसंद किया जा रहा है. वीडियो को अब तक हजारों लोग लाइक कर चुके हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं.

रूस भारत का पुराना मित्र

संयुक्त राष्ट्र संघ में मतदान के दौरान भारत अनुपस्थित रहा, उसने किसी के भी पक्ष में मत नहीं दिया। ठीक किया। रूस भारत का पुराना और विश्वसनीय मित्र रहा है जिसने प्रत्येक संकट की घड़ी में भारत का साथ दिया है, जबकि यूक्रेन हमेशा भारत के खिलाफ़ रहा है। याद कीजिये नेहरू युग में कैसे कश्मीर मसले पर बहस के दौरान रूस ने हमारे पक्ष में वीटो का इस्तेमाल किया था अन्यथा कश्मीर के हाथ से चले जाने में देर न लगती।

प्रत्येक देश को अपने हितों को ध्यान में रखकर नीति निर्धारित करने का अधिकार है। रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत भी अपने हितों को ध्यान में रखकर कदम उठा रहा है। यूक्रेन में फँसे भारतीयों को स्वदेश लाने की उसकी पहली प्रस्थमिकता होनी चाहिये।

आज वे लोग, जो यूक्रेन के साथ सहानुभूति दिखा रहे हैं, उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि यूक्रेन ने न तो परमाणु परीक्षण के मुद्दे पर भारत का कभी साथ दिया और न ही आतंकवाद के मुद्दे पर कभी भारत के साथ खड़ा हुआ है। वर्ष 1998 में जब भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था, उस समय संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में भारत पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने के लिए एक प्रस्ताव लाया गया था। इस प्रस्ताव को दुनिया के जिन 25 देशों ने पेश किया था, उनमें यूक्रेन प्रमुख था। यूक्रेन ने तब संयुक्त राष्ट्र के मंच से यह मांग की थी कि भारत के परमाणु कार्यक्रम को बन्द करवा देना चाहिए और उस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा कर उसे अलग-थलग कर देना चाहिए। यूक्रेन उस समय पाकिस्तान की भाषा बोल रहा था।

यूक्रेन पिछले तीन दशकों से पाकिस्तान को हथियार बेचने वाले सबसे बड़ा देश बना हुआ है। यानी पाकिस्तान की हथियारों की ज़रूरत यूक्रेन ही पूरा करता है। एक सूचना के मुताबिक पिछले 30 वर्षों में पाकिस्तान यूक्रेन से 12 हजार करोड़ रुपये के हथियार खरीद चुका है। आज पाकिस्तान के पास जो 400 टैंक हैं, वे यूक्रेन के द्वारा ही उसे बेचे गए हैं। इसके अलावा यूक्रेन फाइटर जेट्स की तकनीक और स्पेस रिसर्च में भी पाकिस्तान की पूरी मदद कर रहा है। यानी भविष्य में पाकिस्तान स्पेस में जो भी विस्तार करेगा, उसके पीछे यूक्रेन का हाथ होगा।

सोचने वाली बात है कि जो यूक्रेन भारत विरोधी प्रस्ताव लाता है, पाकिस्तान का सबसे बड़ा हमदर्द है, क्या भारत को ये सब कुछ भूल कर, इस लड़ाई में उसके लिए कूद जाना चाहिए? ये जानते हुए कि अगर भारत ने यूक्रेन का साथ दिया भी, तब भी यूक्रेन पाकिस्तान के लिए ही वफ़ादार रहेगा। क्योंकि वो कभी नहीं चाहेगा कि पाकिस्तान किसी भी वजह से उससे हथियार खरीदने बन्द कर दे।

हमें यूक्रेन के नागरिकों के साथ पूरी सहानुभूति है क्योंकि इस युद्ध में उनकी कोई ग़लती नहीं है। लेकिन हमें यूक्रेन का भारत विरोधी रुख भी याद रखना चाहिए और यह बात समझनी चाहिए कि यूक्रेन एक ऐसा देश है, जिसने कभी भारत का साथ नहीं दिया बल्कि हमेशा विरोध में ही रहा।

डा. शिबन कृष्ण रैणा
दुबई

रंगारंग कार्यक्रमों से रचनाकार पटल जगमगाया

हिलव्यू समाचार

जयपुर। 'अंतरराष्ट्रीय संस्था रचनाकारः एक साहित्यिक एवं सांस्कृतिक क्रांति' के द्वारा पिछले तीन दिनों में 5 कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

स्व.दुर्गावती चौधरी स्मृति में तैंतीसवीं काव्य गोष्ठी रचनाकार पटल पर हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुई। लगभग 2 घण्टे चली इस वर्चुअल गोष्ठी में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कवि शामिल हुए। रचनाकार के संस्थापक अध्यक्ष सुरेश चौधरी ने अध्यक्षता की व बर्मिंघम (यू के) से डॉ कृष्ण कन्हैया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। काठमांडू के प्रसिद्ध कवि श्री जयप्रकाश अग्रवाल एवम लगभग 18 कवयित्रियों ने काव्य रसवर्षा कर श्रोताओं को आनन्द से सराबोर कर दिया। मंच संचालन मौसमी प्रसाद व ज्योत्सना सक्सेना ने किया।

भारतीय ग्रंथों की सरल व रोचक ढंग से व्याख्या वाला बहु चर्चित कार्यक्रम ज्ञान गंगा रविवार दिन 11.30 पर हुआ इस बार का विषय था 'सबीव एवं शिवलिंग' के प्रति फैली भ्रान्तियों का निवारण। सुरेश चौधरी एवं संगीता व्यास जयपुर से प्रधान वक्ता थीं एवं प्रश्न कर्ता विद्या भंडारी जी कोलकाता एवं कविता माथुर जयपुर थे,सचेतक तंजानिया से अजय गोयल जी थे।

कोरोना की आपदा से थोड़ी राहत मिलते ही 2 वर्ष बाद रचनाकार का जमीनी कार्यक्रम सुरेश चौधरी जी के निवास पर हुआ जिसमें कोलकाता शहर के करीब 20 कवि उपस्थित रहे एवं संचालन रचना सरन जी ने किया।

संध्या 9 बजे से रचनाकार विदेश विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें बेल्जियम से प्रख्यात कवि एवं साहित्यकार श्री कपिलकुमार ने, यू के से समाज सेविका कवयित्री इंदु बारौठ और लंदन से आशुतोष कुमार ने शोभा बढ़ाई, भारत से प्रसिद्ध गीतकुमार गीतेश्वर बाबू घायल, भोपाल से उपस्थित रहे अध्यक्षता सुरेश चौधरी जी की रही।

महा शिवरात्रि के पावन पर्व पर एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसका प्रारम्भ सलोनी त्यागी के भरतनाट्यम से हुआ।संस्कृति मंत्री महिमा सोनी ने शास्त्रीय गायन द्वारा प्रस्तुति दी जिसे सुरेश चौधरी द्वारा लिखा गया है। दिल्ली दूरदर्शन की गायिका लिली मोहन जी ने दो शास्त्रीय लोक गीत गाकर सबको मुग्ध कर दिया।शिव जी की होरी एवं विवाह,कविता पांडे भोजपुरी की नामी गायिका ने दो भजनों की प्रस्तुति दी ।संचालन रचना सरन जी का था उन्होंने सुंदर भजन पुरानी फ़िल्म शिव महिमा का गाया।महिमा जी ने शिव तांडव पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया जिसका हिन्दी अनुवाद सुरेश चौधरी जी द्वारा प्रस्तुत किया गया। जिसे लोगों ने बहुत सराहा।

सभी कार्यक्रमों में धन्यवाद ज्ञापन संस्था के संस्थापक अध्यक्ष सुरेश चौधरी ने दिया।

आपकी उपलब्धि है आपकी दोस्ती

यदि आप बेहद सुन्दर हैं, या उच्च कुल या परिवार में आपने जन्म लिया है तो उसके लिये ईश्वर व अपने माता पिता को धन्यवाद दो। यदि आपने अकूत सम्पत्ति व शानोशौकत हासिल कर ली है तो उसके पीछे कुछ भी कारण हो सकता है, आपकी मेहनत या लगन या तिकड़म या जालसाजी या भाग्य। यदि आपके सच्चे व वफ़ादार दोस्त हैं तो यह आपकी उपलब्धि है। इसका अर्थ है कि आप जीवन में ईमानदार और विश्वसनीय हैं।

वफ़ादार दोस्त आपकी ज़िन्दगी कि सबसे बड़ी दौलत हैं क्योंकि यह दौलत आपके पास उस समय भी रहेगी जब आपके पास कुछ भी नहीं रहेगा। दोस्ती, ईमानदारी, विश्वास एक रात में ही हासिल नहीं की जा सकती है। इनके लिये आपको जीवन में लम्बा संघर्ष, धैर्य, समर्पण, कुर्बानी की आवश्यकता होती है।

मित्रता के लिये आपके पास धन दौलत, शोहरत, कार, वाहन, पद हो यह आवश्यक नहीं है क्योंकि इन वस्तुओं की चमक दमक, आकर्षण से तो भीड़ को इकट्ठी कर रहे हैं, वे सभी आपके मित्र नहीं हैं क्योंकि उस चमक दमक के कुन्द पड़ जाने पर वह भीड़ भी छंट जाती है। अब जो आपके पास बचता है, वह है आपका परिवार, आपका सच्चा दोस्त।

एक निर्धन, अनपढ़, अपंग व्यक्ति के अंदर भी एक सच्चे दोस्त की भावना हो सकती है। जैसे एक ठेला चलाने वाला बाबू खां आज भी मेरी बचिपन की मित्रता के किस्से सुनाता है, मेरे कार्यालय में आज भी उसे सम्मान प्राप्त होता है। जबकि जीवन की रफ़्तार में मेरे एक मित्र ने राकेट की गति से तरक्की कर मुझसे मिलों आगे पहुँच गये फिर अपने स्तर के मित्र को मेरा परिचय कराया कि ये बहुत अच्छे कार्यकर्ता हैं।

जीवन में कई व्यक्ति मिलते हैं जिनमें से कुछ समय ग ुज़ारने के लिये आपका सहारा ले रहे हैं, कुछ आपके माध्यम से अपना स्वार्थ सिद्ध कर रहे हैं, कुछ आपकी किसी विशेषता, वस्तु से आपसे प्रभावित हैं। ये सभी अस्थायी साथी हैं, जो बहुत लम्बे समय तक आपका साथ नहीं दे सकते। ज़ाहिर है ऐसे अवसरवादियों को आप दोस्त नहीं कह सकते हैं।

समय, संकट, असफलता, दरिद्रता, दुख के पलों में कौन आपके साथ खड़ा है, कितने आपके साथ हैं, दोस्ती का पैमाना वहां नापा जा सकता है। सम्बन्ध जिसके पीछे स्वार्थ छिपा हो, विचारधारा में भारी मतभेद हो, असंगत या मज़बूरी कारण रहे हो, वहां समर्पित व ठोस मित्रता असम्भव है।

एक मछुआरा नदी किनारे घर बना कर रह रहा था। उस नदी में एक मगरमच्छ भी रहता था। दोनों एक दूसरे से परिचित थे इस कारण किसी ने भी एक दूसरे को नुकसान नहीं पहुँचाया। परन्तु मछुआरे का मन सदैव डरता था कि कहीं मगरमच्छ उसके किसी परिवार के सदस्य या मवेशी को मार न डाले। उनके सम्बन्धों में यह अविश्वास मछुआरे के हृदय में आ गया। वह ताक में रहने लगा। एक दिन खूब सारी मछलियाँ निगल कर मगरमच्छ ज़मीन पर धूप का सेवन करता हुआ सुस्ता रहा था कि उचित अवसर देखकर मछुआरे ने तलवार से मगरमच्छ पर ज़ोरदार आक्रमण कर दिया। परन्तु घायल होकर भी मगरमच्छ ने किसी तरह नदी में कूद कर अपनी जान बचाई। अब तिलमिलाया हुआ मगरमच्छ बदले की फ़िराक में रहने लगा और मौका पाकर मछुआरे के पुत्र को पानी में खींच ले गया। मछुआरे का जीना दूभर हो गया। ''पानी में रहकर मगरमच्छ से बैर।'' वह हर समय डरा डरा सा रहने लगा। एक दिन खूब सारा बकरी का मांस लेकर मगर के पास पहुँचा और बोला, ''मगर भाई साहब, यह मेरी तरफ से आपको भेंट। क्या हम दुबारा दोस्ती कर सकते हैं?''

मगरमच्छ ने तत्काल इन्क़ार किया, ''जिस रिश्ते में विश्वास नहीं, वहाँ दोस्ती सम्भव नहीं। मेरे घावों की टीस और तुम्हारे पुत्र की यादे हमें दुश्मनी नहीं भूलने देंगी।''

हमारे जीवन में पड़ौस, विद्यालय, आयोजन, सफ़र, कार्यालय व संजोग से कई व्यक्ति मिलते हैं, जिनमें से कुछ हमारे निकट आ जाते हैं, जिनका साथ हमें अच्छा लगता है जो हमारे सुख दुख में भी साथ देने लगते हैं, जिन पर हम विश्वास करने लगते हैं, समय समय पर परीक्षा का समय पर परीक्षा का समय आता है, जब वह सम्बन्ध दांव पर लग जाते हैं और जो परिणाम आते हैं, वहीं दोस्ती स्थापित होती है।

दोस्ती पूजा है, दोस्ती प्यार है, दोस्ती विश्वास का दूसरा नाम है, दोस्ती निःस्वार्थ भावना है। दोस्त दूसरे दोस्त पर कभी अहसान नहीं करता है, उसकी मदद अवश्य करता है, परन्तु उसके पीछे यह भावना नहीं होती कि बदले में वह भी हमारी मदद करेगा क्योंकि अपेक्षा करने पर ही निराशा प्राप्त होती है। बस दोस्त के लिये कोई भी कार्य निःस्वार्थ भाव से किया जाना अपेक्षित है जिसमें आपको शांति, सुकून मिले।

सच्ची दोस्ती का अर्थ यही है कि आपने बिना किसी स्वार्थ भावना के अपने मित्र को सहयोग किया है। आपने जो भी अपने दोस्त के लिये किया है, उसे भूल जाओ, और यदि दोस्त ने आपके लिये किया है, उसे सदैव याद रखो। दोस्त को सम्मान दो। उसकी ग़ैरमौजूदगी में भी उसकी तारीफ़ करो। किसी मित्र की मदद इस भावना से मत करो कि बदले में वह भी आपको कुछ देगा।

सबसे महत्वपूर्ण बात-आपने किसी को एक बार मित्र कह दिया, भले ही आप उसके काम न आ सको, परन्तु उसे धोखा हर्गिज़ न दो। मुझे इस बात का गर्व है कि मेरे पास ऐसे निःस्वार्थ दोस्तों की बहुत सुन्दर सूची है और आप भरोसेमन्द हैं तो ऐसी ही सूची आपके पास होगी।

■ रिज़वान एजाज़ी

जीवन के रंग

माह फागुन और ऋतु बसंत जन मानस में लेकर आया नया रंग।
उल्लास भरा ये उत्सव आया होली का लेकर के रंग।।
रंग चढ़े हैं जनमानस पर फाग फुहार वाला वो रंग।
खुमारी त्याग कर मानस अब निकल पड़े उड़ाने रंग।।
रंग गहरा हो प्यार का जिससे आपसी सौहार्द का चढ़े जो रंग।
आँख में पानी और अपनत्व भाव संग बना रहे वो प्यार का रंग।।
रंग चढ़े जो मन मस्तिष्क पर राष्ट्र प्रेम का भरकर रंग।
जिसकी अमिट छाप सीने पर कभी धुमिल न हो इसका रंग।।
रंग चढ़े जो समर्पण भाव का टूट कर भी बरसे रंग।
खुद भीगे रंग फुहार में आत्म समर्पण का लेकर रंग।।
रंग फुहार हो उस मरु भूमि पर जहां सोया हों विचारों का रंग।
रंग फुहार के इस बृष्टि से जागें उनके सोए रंग।।
रंग रंग के इस खेल में चलता रहे आत्मसम्मान का रंग।
अच्छे बुरे का अंतर कर ऊपर रखें आत्मसम्मान का रंग।।
क्या खोया क्या पाया हमने इसकी गिनती का हो रंग।
ताकि अगली फागफुहार पर गिनती हो सके जीवन के रंग।।
क्षणभंगुरी जीवन मे लिपटे हुए हैं सारे रंग।
इन रंगों को मिलाकर ही अब बनाना इंद्रधनुषी रंग।
इंद्रधनुषी छटा बिखेरेंगे बनकर मानव जीवन में सतरंगी रंग।
हँसी खुशी फिर निकल जायेंगे मानव जीवन के हर एक क्षण।।

कमलेश झा, दिल्ली

महाभारत होती रहेगी...

कहानी

इकहत्तर वर्षीय सेवानिवृत्त शिक्षक गेंदलाल साहू जी न्यू बस स्टैंड बालोद पर बस की प्रतीक्षा कर रहे थे। चूँकि भादो का महीना था; रिमझिम-रिमझिम बारिश हो रही थी। आफ्टर ए लांग टाइम वे बालोद शहर आये थे। उन्हें बहुत कुछ बदला-बदला सा लग रहा था। तभी बस आयी। वे चढ़े; और एक खिड़की के पास बैठे। उन्हें धमतरी जाना था। बस चल पड़ी। जगतरा और जमरुवा के बीच अचानक बस रुकी। दो मनचले युवक बस पर चढ़े। टीशर्ट व जिंस पहने हुए थे दोनों। पैरों पर स्पेशल जूते थे। दोनों की कानों में बालियाँ झूल रही थीं। सर के बाल तो पूछो ही मत। पूरे नमूने लग रहे थे। खिड़की के पास; याने जहाँ पर शिक्षक साहू जी बैठे थे, खाली सीट देखकर दोनों बैठ गये। फिर अचानक उन दोनों की नज़र शिक्षक साहू जी पर पड़ी। एक ने तुरन्त पहचान लिया। कानाफूसी शुरू हो गयी। बोला- अरे यार अश्वनी, ये तो साहू गुरुजी हैं फागुनदाह वाले। तुम्हें तो पढ़ाये हैं न?

हाँ यार संजीव। साहू गुरुजी ही हैं। पर अब क्या करें ; यहाँ से उठना भी ठीक नहीं है। अच्छी सीट मिली है। छोड़ न, क्या करना है; बैठ। कई बरस बीत गये। प्राइमरी स्कूल में पढ़ाये थे। जब हमें उन्हें पहचानने में दिक्कत हुई, तो इस उम्र में वे हमें खाक पहचान रहे होंगे? बस उन्हें चुपचाप बैठे रहने दो। नाम-वाम सब भूल गये होंगे। हम अपने में मस्त रहें। क्यों फालतू टेंशन लें।

फिर संजीव ने अपने जेब से राजश्री व पानराज का एक-एक पाऊच निकाला। दोनों को मिक्स किया, और अश्विनी की ओर बढ़ाया। बचे हुए को अपने मुँह में झड़ाया। फिर दोनों मित्र दुनिया भर की बातों में मशगुल हो गये। अश्विनी कहने लगा- घर में सब बढ़िया है यार...पर क्या बताऊँ?

क्यों, क्या हो गया? संजीव ने पूछा।

यार संजीव, मैं अब अपने घर वालों से अब अलग रहना चाहता हूँ। अश्विन कह ही रहा था, कि संजीव बीच में बोल पड़ा- तो इसमें कौन सी बड़ी बात है? हो जाओ अलग अपने घर-परिवार से। तुम स्वयं सक्षम हो।

संजीव भाई! मेरे सक्षम होने या न होने वाली बात नहीं है। अश्विनी ने एक लम्बी साँस ली। तो फिर? संजीव ने पूछा।

घर का बंटवारा मेरे हिसाब से होना चाहिए; यानी हर चीज मेरी इच्छा अनुसार होनी चाहिए। मैं जो चाहता हूँ, वो मिलना चाहिए।

हाँ..हाँ...। बिल्कुल तुम्हारे हिसाब से होना ही चाहिए। न हो पाने का कारण बताओ न, है तो। मेरी ज़रूरत पड़ी तो बताना। आखिर अड़चन क्या है, बताओ तो सही। तू जो कहेगा, मैं करूँगा, आखिर मैं तुम्हारा फ्रेंड हूँ। संजीव ने अश्विनी के हाथ पर अपना हाथ रखते हुए कहा।

सब ठीक-ठाक है यार, पर हमारे यहाँ बड़ा ; याने समझा न...मेरे बड़े भैया सुशील की तरफ़दारी बाबूजी बहुत करते हैं और उनसे ज़्यादा नाटक सुशील की बीवी यानी बड़ी भाभी कर रही है। उसने मेरा दिमाग़ चाट रखा है। हल्के से अपनी कान खीचते हुए अश्विनी बोला।

अच्छा वोह! सुनयना भाभी के बारे में बोल रहे हो। एक औरत से क्या लेना-देना। उसकी इतनी क्या औकात? उसकी बात करते हो यार तुम भी। संजीव तो बस अश्वनी के अंतस में लग रही दाह को मानो हवा देने की कोशिश में था।

हाँ, उसके कारण भी बहुत नाटक है। एक अच्छे घर से आयी है न। मायका बहुत सम्पन्न है। पढ़ी-लिखी है। पोस्ट ग्रेजुएट है। डेयरिंग पावर है भाई उसमें बहुत। इसीलिए तो... बोलते-बोलते अश्विनी अटक गया।

जीवन में आगे बढ़ने के लिए, और कुछ पाने के लिए तो कुछ करना पड़ता है; खोना पड़ता है। समझा करो। एक औरत से क्या डरना भाई, चाहे वो कोई भी हो। आज तो ऐसा लग रहा था मानो, संजीव ने अपनी मित्रता निभाने का बीड़ा उठा लिया है।

इस तरह अश्विनी और संजीव दुनिया भर की बातें कर रहे थे। उनकी पूरी बातें शिक्षक साहू जी के कानों में पड़ रही थीं। दोनों मित्र बात करते हुए बार-बार खिड़की से बाहर थूक रहे थे। शिक्षक साहू जी को बहुत मुश्किल हो रहा था बैठना। उन दोनों को कुछ बोलने का मन भी कर रहा था। पर वे वहाँ से न उठे, और न ही उन्हें कुछ बोले। आखिर उन्हें बस से ही उतर जाना ही उचित लगा। बस गुरूर पहुँची। फिर शिक्षक साहू जी खड़े हुए। उतरते समय बोले- अश्विनी! थोड़ा पैर तो हटाना बेटा। सब बढ़िया है न? तुम्हारा क्या हालचाल है संजीव? यह बैग को ज़रा उठाओ न जी।

शिक्षक साहू जी की बातें सुन अश्विनी और संजीव दोनों भौचक्के रह गये। मुँह से एक शब्द नहीं निकला। दोनों उन्हें एकटक देख रहे थे। शिक्षक साहू जी बस से उतरे। फिर बस चल पड़ी। अश्वनी बोला- मानना पड़ेगा यार साहू गुरुजी को। इस उम्र में भी उन्होंने हमें पहचान लिया। संजीव बोला- बहुत तगड़ी है भाई उस बुड्ढ़ की याददाश्त है। दोनों ठहाका मारने लगे।

बस से उतरकर शिक्षक साहूजी कंधे पर थैला लटकाये चलने लगे। एक हाथ से उन्होंने छतरी तान रखी थी। उनके माथे पर सिकुड़न आने लगी थी। वे विचारों में डूबे हुए थे- युग बदल गया। जमाना बदल गया। सदियाँ बदल गयी। पर लगता है, लोग वहीं के वहीं हैं। हाँ भाई, मेरे इस भारतवर्ष में अश्विनी और संजीव जैसे दुर्योधन-कर्ण होते ही रहेंगे। हस्तिनापुर बसता रहेगा। धन की लिप्सा बढ़ती रहेगी। औरतों के प्रति पुरुषों का वैचारिकतथ्य यथावत रहेगा, यानी लगता है, एक द्रौपदी का सम्मान सदैव खतरे में ही होगा। निश्चय है; महाभारत होती ही रहेगी मेरे भारत में। हाँ पर इतना भी तो अवश्य है कि कहीं न कहीं मुझ जैसे आचार्य द्रोण की शिक्षा में कमी रह ही गयी।

टीकेश्वर सिन्हा 'गब्दीवाला'
व्याख्याता (अंग्रेजी)
घोटिया-बालोद (छत्तीसगढ़)

गिद्ध

बैंक की सीढ़ियां उतरा ही था कि उन चारों ने सुदामा को घेर लिया था, जमीन पर मरे हुए जानवर को जैसे गिद्ध घेर लेते हैं। फ़र्क़ सिर्फ़ इतना था गिद्ध मरे हुए जानवरों को खाते हैं और ये चारों ज़िंदा लोगों की बोटीबोटी नोच कर खाते हैं। सब अपना-अपना महीने भर का हिसाब लिए खड़े थे। सबसे ज़ल्दी में दारुवाला था, उसी ने पहले अपना मुँह खोला और बोला- सुदामा, फटाफट मेरा डेढ़ हजार निकाल, तुम्हारे कमीने साथी करमचंद को भी पकड़ना है ,स्याला फिर कहीं भाग न जाए, कल तो बारह सौ ही बताया था...।

और बाद में करमचंदवा के साथ दो बोतल पी गया था, उसका कौन देगा तुम्हारा बेटा.. पीने के बाद तुमको होश रहता ही कहां है..ला..।

मैं नहीं, वो करमचंद बोला था-वो देगा।

तुम बोला था-तुम दोगे और दारू वाले ने सुदामा का कालर पकड़ लिया- चल ज़ल्दी निकाल।

सुदामा सहम गया। उसने तत्काल उसे डेढ़ हजार देकर चलता किया तो सूद वाला तन कर सामने खड़ा हो गया- सुदामा, मेरा भी ज़ल्दी से चुकता कर दो-पांच हजार बनता है ।

पाँच हज़ार कैसे? तीन हज़ार मूल और एक हज़ार सूद-चार हज़ार न हुआ?

कहानी

और पिछले महीने समधी के आने पर दो हजार और लिया था उसका मूल और सूद कौन देगा. तुम्हारा बाप? सुदामा सूद वाले से भी न बच सका। वो पूरे पाँच हजार ले चलता बना । मीट और राशन दुकान वाले कब तक पीछे खड़े बगुले की तरह देखते रहते एक साथ दोनों सामने आ गये। तीन हजार मेर भी निकाल दो सुदामा भाई। मीट वाला बोला। इस बार सुदामा ने कोई आना कानी नहीं की। चुपचाप तीन हजार दे दिया फिर बोला- अभी आ रहा हूँ गुरदा-कलेजी रख देना।

मेरे खाते में छह हजार चार सौ चालीस रूपए है- इस बार पूरा लूँगा। राशन वाले सेठ ने लाठी ठोकते हुए सा कहा। इस बार डेढ़ हजार कैसे बढ़ गया सेठ जी? सुदामा कुनमुनाया था। समधी -समधीन आई थी तब दो दिन उन लोगों को शिकार-भात खिलाया था, भूल गया? तेल -मसाला किस भाव बिकता है मालूम है तुमको? सेठ का तेवर कम नहीं हुआ- खाने के समय ठूंस ठूंस कर खाओगे और देने के समय किच -किच -पूरा दो नहीं तो आज से उधार बंद। सेठ जी चार हज़ार ले लो-अगले महीने पूरा दे दूँगा। सुदामा ने मिन्नत की, बड़ी बेटी को सलवार कुरती ख़रीद देनी है काफ़ी पुरानी हो गई है,-फटने भी लगी है!

मुझे कुछ नहीं सुनना है, छः हजार चाहिए तो चाहिए ही, नहीं तो उधार बंद। सेठ सीधे सीधे धमकी पर उतर आया था। सेठ को न देने का मतलब घर का राशन पानी बंद! रोने और पैर पकड़ने पर भी सेठ का पत्थर कलेजा पिघलने वाला नहीं था, यह बात सुदामा भली-भांति जानता था। देने में ही भलाई थी।

चला तो हाथ में मात्र डेढ़ हजार रूपए था। आधी तनख़्वाह पहले ही नागा में कट गई थी और आधी आदमखोरों ने ले ली। अब किस मुँह को लेकर घर जाए। बार बार उसकी आँखों के सामने बड़ी बेटी सरिता का पुराना सलवार कमीज और छाती का बढ़ता आकार घूमने लगा था। देर रात वह घर पहुंचा। बच्चे सो चुके थे और पत्नी जाग रही थी। सालों बाद सुदामा कलेजी-गरदा लिए बग़ैर घर पहुँचा था ।

श्यामल बिहारी महतो

हमारे वन्य जीव : शेर

प्यारे बच्चों को कविता आंट का ढेर सारा प्यार और चॉकलेट्स

बच्चों क्या आपको पता है कि अपार शक्ति, साहस और बल को सिग्निफ़ाई करने वाले जंगल के राजा जनाब शेर साहब चौबीस में से बीस घंटे नींद लेने में गुज़ार देते हैं।

हाँ, जब ये ज़नाब गरजते हैं, तो आठ किलोमीटर तक इनकी रोअर सुनाई देती है। बिग कैट्स फ़ैमिली में सबसे तेज़ । और हाँ , इनमें सिर्फ़ शेर ही सबसे ज़्यादा सोश्येबल होते हैं जो बारह से पंद्रह की संख्या में प्राइड में , यानी कि ग्रुप्स में रहते हैं , बाक़ी बिग कैट्स हमेशा अकेले ही मिलेंगे और जंगलों में जितना खाना-पानी इन्हें उपलब्ध होता है , उसी के अनुसार इनके ग्रुप की संख्या तीस तक पहुँच जाती है । यूँ तो इन्हें फ़ास्ट-वर्किंग डाइजेस्टिव सिस्टम के कारण जल्दी जल्दी प्यास लग आती है और रोज पानी पीते हैं पर वैसे खाने की तरह ये पानी के बिना भी चार-पाँच दिन रह लेते हैं ।

बच्चों, वैसे तो इस जंगल के राजा से डर के मारे कोई दूसरा जानवर दुश्मनी काहे मोल लेगा, लेकिन एक ज़नाब हाइना साहब हैं, जो होते तो इनके मुक़ाबले में छोटे ही हैं, मगर भोजन वो शेर वाला ही करना पसंद करते हैं, तो शेर जी के वो सबसे बड़े दुश्मन बन जाते हैं।

शेर मुख्यतः एक नॉक्टर्नल जीव है। रात को शिकार के लिए निकलता है। बच्चों, आजकल एक फ़्रेज़ बहुत ही इस्तेमाल में आने लगी है 'लैंडस्केप ऑव फ़ीयर'(LOF), यानी कि 'भय का परिदृश्य', इसका सीधा सा तात्पर्य ये है कि जब शिकारी वन्यजीवों को अपनी ही टैरीटरी में प्रिडेटिंग-रिस्क का एहसास होने लगे और हम इंसानों की वजह से वो अपने नैसर्गिक डोमेन को डर कर बदलना चाहें '। कितने दुःख की बात है न् ये बच्चों! ज़रा सोचिए कोई हमसे डरा डरा कर हमारा घर बदलने को कहें तो? और हम कभी ये सोच भी नहीं सकते हैं न् कि शेर जैसा स्ट्रॉंग एनीमल किसी से डर भी सकता है! लेकिन हाल ही में हुई कुछ स्टडीज़ में पता चला है कि हम इंसानों ने जो वन्यजीवों की टैरिटरीज़ में इन्क्रोच करके इनके लिए थ्रेट पोज़ किया हुआ है, उस वजह से अब शेर भी डर में जीने लगे हैं। क्या आपको लगता है कि हम इंसानों को इस बात से खुश हो जाना चाहिए? नहीं बच्चों, ये स्थिति हम इंसानों के लिए भी कोई अच्छी स्थिति नहीं है क्योंकि प्रकृति में होने वाले इस तरह के अप्राकृतिक बदलाव पूरी सृष्टि के लिए नुक़सानदायक सिद्ध होते आये हैं।

शेर अपनी जंगली अवस्था में इतने हिंसक और खूँख़ार होते हैं कि इनके पिंजरों में होने पर भी हम डर जाते हैं। लेकिन बच्चों इन्हें टेम करना और थोड़ी मशक़्क़त के बाद ट्रेन करना भी उतना ही आसान होता है और ये बात हमने अपने बचपन में जब सर्कस देखी थीं, खुद अपनी आँखों से देखा है। लेकिन मुझे जंगली जानवरों को अपने फ़ायदे के लिए टेम करना बहुत अमानवीय कृत्य लगता है बच्चों।

शेर कभी इंसानों को आहार बनाना पसंद नहीं करते, मगर इंसानों के ही कारण इनके प्राकृतिक भोजन में कमी आने लगे तो 'मैन-ईटर' बनने में देर थोड़ी लगेगी! इसमें हम इन्हें बिल्कुल दोषी नहीं मान सकते हैं। दरअसल कई बार तो इंसानों के प्रति इनका स्नेह भी देखा गया है। पैरिस के एक ज़ू में एक शेर को अपने कीपर से इतना प्यार हो गया कि उसके बीमार होने पर वो गहरे दुःख में चला गया और जब वो ठीक होकर आया तो खुशी से उछलते हुए दौड़कर अपने कीपर के पास आया और उसके हाथों और चेहरे को ऐसे लिक करने लगा जैसे डॉगीज़ करते हैं। है न मज़ेदार बात!

शेर डिमॉर्फ़िक एनिमल्स की कैटेगरी में आता है। मतलब, एक ही प्रजाति के मेल-फ़ीमेल में फ़र्क़ होना। शेरों में भी जब ये पूरे वयस्क हो जाते हैं, क़रीब तीन साल के, तो मेल्स में गर्दन, कंधों और चिन से लंबे -घने मेन उग आते हैं जो फ़ीमेल शेरों में नहीं उगते। यही मेन इन्हें दिखने में कितना शानदार बना देते हैं न् बच्चों!

डॉ कविता माथुर, लेखिका, कवयित्री, टीवी आर्टिस्ट

क्रमशः

हिलव्यू समाचार

hillviewsamachar@gmail.com

07

जयपुर ≫ सोमवार, 07 मार्च, 2022

बच्चों को प्राइवेट स्कूल में पढ़ा रहे हैं तो फीस भी दें

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शैक्षणिक सत्र 2020-21 व 2021-22 की स्कूल फीस जमा नहीं कराने पर स्कूल संचालक की ओर से स्टूडेंट्स को परीक्षा में शामिल नहीं करने को चुनौती देने के मामले में अभिभावकों व स्टूडेंट्स को राहत से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा यदि अभिभावक अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में पढ़ा रहे हैं। स्कूल संचालकों ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन में फीस तय कर दी है तो अभिभावकों से उम्मीद की जाती है कि वे स्कूल को आवश्यक फीस या फीस की कुछ किस्तों का भुगतान करें।' जस्टिस अशोक गौड़ ने यह निर्देश इशिता जैन व अन्य की याचिका में स्टे एप्लीकेशन को खारिज करते हुए दिया। वहीं मामले में कैम्ब्रिज हाईस्कूल मानसरोवर व अन्य से 3 सप्ताह में जवाब देने के लिए कहा है। अलग-अलग कक्षाओं में पढ़ रहे स्टूडेंट्स ने फीस जमा नहीं कराए जाने के कारण परीक्षा में शामिल ने करने को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। स्टूडेंट्स ने सुप्रीम कोर्ट के 3 मई 2021 के आदेश का हवाला देते हुए कहा था कि फीस जमा नहीं कराने पर उन्हें ऑनलाइन या फिजिकल क्लास से वंचित नहीं किया जा सकता। यह भी कहा था कि अभिभावकों को स्कूल फीस देने में परेशानी है तो स्कूल प्रबंधन उनके प्रतिवेदन पर सहानुभूति पूर्वक विचार करे, लेकिन स्कूल प्रबंधन उन्हें परीक्षा में शामिल नहीं कर रहा। इसलिए उन्हें परीक्षाओं में शामिल करवाया जाए। इसके जवाब में स्कूल प्रबंधन के अधिवक्ता अनुरूप सिंघी ने कहा कि अधिकतर स्टूडेंट्स ने 2021-22 की फीस जमा नहीं कराई है। वहीं कुछ बच्चों ने 2020-21 की फीस भी नहीं दी है। बच्चे स्कूल में 26 अक्टूबर 2021 तक पढ़े हैं, लेकिन उन्होंने फीस जमा नहीं कराई। परीक्षा का कार्यक्रम पहले ही तय था और बच्चों ने कोर्ट से मामले में सहानुभूति के लिए केवल 11 घंटे पहले याचिका दायर की है। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने भी बकाया फीस देने के लिए एक तय समय दिया था और बकाया नहीं देने पर स्कूल को रिकवरी करने के लिए कहा था।

राजस्व मंत्री ने 23 दिव्यांगजनो को स्कूटी वितरित की

हिलव्यू समाचार

भीलवाड़ा। प्रदेश के राजस्व मंत्री रामलाल जाट के आतिथ्य में कलेक्ट्रेट परिसर में शनिवार को स्कूटी वितरण समारोह आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बजट घोषणा 2020-21 की अनुपालना के तहत सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा कॉलेज छात्र, छात्राओं तथा रोजगार के लिए अपने कार्यस्थल पर जाने के लिए पात्र 23 दिव्यांगजनों को राजस्व मंत्री ने स्कूटी वितरित की। सभी दिव्यांग लाभार्थी स्कूटी मिलने पर अत्यंत प्रसन्न नजर आये और सभी ने इस लोककल्याणकारी एंव संवेदनशील योजना की प्रशंसा की । जाट ने इस दौरान प्रत्येक लाभार्थी से बात भी की। उन्होंने कहा की इससे उनके समय की बचत होगी तथा कहा कि राज्य की संवेदनशील सरकार सभी वर्गो के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रत्येक लाभार्थी को हेलमेट भेंट कर एवं मुँह मीठा करवा कर अपने अपने घरों को भेजा गया । अतिरिक्त जिला कलक्टर(प्रशासन) राजेश गोयल, सहायक निदेशक सामाजिक न्याय एंव अधिकारिता सत्यपाल जांगिड़, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी गौरव सारस्वत,हीरो मोटर्स से डीएसएम सुश्री मोनिका एंव विभिन्न समाजसेवी की मौजूदगी में कार्यक्रम संपन्न हुआ। **जनसमस्याएं भी सुनी:** राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने कार्यक्रम के उपरांत आमजन की समस्याएं सुनकर मौके पर ही समाधान किया।

विधानसभा में बजट बहस पर जवाब देते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बीजेपी पर निशाना साधा

समुद्र मंथन की तरह मंथन किया, तब जाकर बजट में निकला अमृत

हिलव्यू समाचार

जयपुर। बजट सत्र पर गुरुवार को सरकार ने सदन में जवाब दिया। विधानसभा में बजट बहस पर जवाब देते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बीजेपी पर निशाना साधा। गुलाब चंद कटारिया के बयान पर सीएम ने कहा कि बजट पर आपको अपनी बात कहनी चाहिए थी,आपको सुझाव देना चाहिए था, लेकिन आपने आंकड़ों का जाल फैलाया। हमें आंकड़ों पर नहीं कर्मियों पर चर्चा करनी चाहिए था। गुलाब चंद कटारिया ने कहा था कि प्रदेश सरकार कर्ज में डूबी है, सरकार ओवर ड्राफ्ट में चल रही है, ऐसे में बजट कहां से और कैसे आएगा। कटारिया के बयान पर मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि सरकार ने हर क्षेत्र में लोगों के लिए काम किया है, लेकिन बीजेपी जनता को गुमराह करने में जुटी हुई है।

बजट बहस पर सदन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि समुद्र मंथन के बाद बजट पेश किया गया है। बीजेपी को इसकी चिंता करने की जरूरत नहीं है। सरकार सबकी चिंता कर रही है। राज्य सरकार ने एक बार भी ओवर ड्राफ्ट नहीं लिया। सीएम ने पूनिया के काली महिला के श्रृंगार वाले बयान पर भी निशाना साधा। आमेर से आने वाले हमारे साथी को कहने के लिए कुछ नहीं था तो काली वधू पर बयान दे दिया। सीएम ने केंद्र पर राज्यों को पैसे नहीं देने का आरोप लगाया। केंद्र से हमारे हिस्से का 35 फीसदी पैसा नहीं मिल रहा है। मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि कोरोना की तीसरी लहर खत्म हो रही है, धीरे-धीरे जिंदगी पटरी पर लौट रही है। हम इकनोमी को 15 लाख करोड़ रुपये तक ले जाएंगे। गहलोत ने राहुल गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने जो वादे किए थे वह सब निभाए हैं। गहलोत ने कहा कि प्रदेश में अभी तीन लाख से ज्यादा भर्तियां होंगी, अभी 1 लाख भर्तियां प्रक्रियाधीन है। इसके बाद और लोगों की भर्तियां होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट की 500 घोषणाओं में से 60 बजट घोषणाओं की स्वीकृतियां जारी हो चुकी हैं। नेता प्रतिपक्ष सवाल उठा रहे थे कि बजट घोषणाएं कैसे पूरी होंगी, जब हम चुनाव घोषणा पत्र की 70 फीसदी घोषणाएं 3 साल में पूरी कर सकते हैं तो बजट घोषणाओं को पूरा नहीं करेंगे क्या? उन्होंने कहा कि हमने हजारों लोगों से बजट पर राय ली है। समुद्र मंथन की तरह मंथन किया है, तब जाकर बजट में अमृत निकला है। हमारे बजट में विपक्ष के पास कहने को कुछ नहीं था, तभी उन्होंने काली वहू के ब्यूटी पार्लर जाने जैसा बयान दिया था। अच्छी बात है कि उन्होंने सबसे माफी मांग ली।

केंद्र राज्यों को पैसा नहीं दे रहा

गहलोत ने कहा, केंद्र सरकार डिविजिव पूल करा पैसा राज्य को समय पर नहीं दे रहा है। जितना पैसा राजस्थान को मिलना चाहिए था, वह नहीं मिल रहा है। इस बार भी 19 हजार करोड़ रुपए कम दे रहा है। पिछली बार भी 15 हजार करोड़ कम दिए। राजेंद्र राठौड़ उपनेता हैं, चार-पांच बार मंत्री रह लिए। आपने भैरों सिंहजी से ट्रैनिंग ली है, आपने कैसे कह दिया कि सरकार ओडी में चली गई। इन्होंने कह दिया कि सरकार ओवर ड्राफ्ट में चली गई। राजेंद्र राठौड़ में बोलने की अदा और कला है तो प्रभावित कर ही लेते हैं, कह दिया कि सरकार ओडी में चली गई। हमारी सरकार एक बार भी ओवर ड्राफ्ट में नहीं गई।

महिला पुलिसकर्मियों ने जाने कैंसर से बचाव के उपाय

हिलव्यू समाचार

जयपुर। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त द्वितीय हैदर अली जैदी ने मानसरोवर जयपुर के एचसीजी कैंसर अस्पताल के सहयोग से कैंसर से बचाव की जागरूकता के लिए आयोजित वेबीनार का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया।

जैदी ने इस अवसर पर कहा कि वर्तमान समय में हमारी जीवन शैली में बहुत परिवर्तन आया है। हम खुद ही खतरों की तरफ बढ़ रहे हैं ।यह भी कैंसर का एक कारण है। आज महिलाओं में कैंसर तेजी से फैल रहा है ।इसकी समय रहते यदि जांच करवा लें तो इस भयावह बीमारी से बचा जा सकता है ।अब सरकारी चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के माध्यम से भी इसका इलाज करवाया जा सकता है ।इस कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए स्वास्थ्य की जागरूकता के लिए और भी कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पुलिस कमिश्नरेट में सभी पुलिसकर्मियों के लिए हेल्थ कार्ड बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि इस मुहिम को तेजी के साथ आगे बढ़ाएंगे। जिससे सभी को लाभ होगा और अच्छी जीवन शैली के साथ कर्तव्य निभा सकेंगे। इसमें पुलिस कमिश्नरेट की 225 महिला पुलिसकर्मी भाग ले रही हैं।

पुलिस उपायुक्त मुख्यालय अरशद अली ने कहा कि महिला दिवस सप्ताह की कड़ी में यह वेबीनारआयोजित की गई है ।महिलाओं की जागरूकता के लिए इस मुहिम में सुरक्षा सखियों, आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को भी शामिल किया जा रहा है। जिससे आम महिलाएं भी लाभान्वित हो सकेंगी। हमारा फोकस यह है कि हमारे जवान स्वस्थ रहें, हमारी महिला पुलिसकर्मी भी स्वस्थ होंगी तो अच्छे परिणाम मिलेंगे। इस वेबीनार में 40 से अधिक जिला यूनिट, आरएसी बटालियन एवं प्रशिक्षण केंद्रों के जवान जुड़े हुए हैं ।

कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. कपिल देव सिंह श्योरान ने कहा कि कामकाजी महिलाओं के लिए यह वेबीनार आयोजित की गई है ।आधुनिक समय में महिलाओं में कम उम्र में ही कैंसर के लक्षण पाए जाते हैं। हमारा प्रयास है कि कामकाजी महिलाएं अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें। अपनी जांच अवश्य करवाएं और समय रहते चिकित्सक की सलाह पर इलाज लें।

उन्होंने प्रश्नोत्तर सत्र में कैंसर के बारे में एप्प से जुड़े पुलिसकर्मियों की शंकाओं का समाधान कर उचित सलाह दी।

इस वेबीनार का सीधा प्रसारण पुलिस की फेसबुक, यूट्यूब ,ट्विटर आदि सोशल मीडिया पर तथा माइक्रोसॉफ्ट के टीम एप्प द्वारा किया गया । अस्पताल के सीओओ डॉ भरत राजपुरोहित ने सभी का स्वागत किया । कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अरुण किम्मतकर एवं कैंसर की तीसरी स्टेज की जंग जीत चुकी डॉ ज्योति जोशी ने किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंघल, मिताली गर्ग, वेबीनार के कोऑर्डिनेटर सहायक पुलिस आयुक्त नरेंद्र दायमा, पुलिस निरीक्षक सुश्री नीतू चौहान सहित महिला पुलिस कर्मी उपस्थित थी।

चौहटन विधानसभा क्षेत्र में अवैध क्रेशर के संचालन की जानकारी मिलने पर इसी माह कराई जायेगी जांचः खान मंत्री

हिलव्यू समाचार

जयपुर। खान मंत्री प्रमोद भाया ने शुक्रवार को विधानसभा में आश्वस्त किया कि विधानसभा क्षेत्र चौहटन में यदि अवैध रूप से स्टोन क्रेशर संचालन की जानकारी ध्यान में लाई जाती है तो इसी माह जाँच दल भेजकर जाँच करवा दी जायेगी। खान मंत्री ने प्रश्नकाल में विधायक द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गये पूरक प्रश्न के जवाब में बताया कि चौहटन विधानसभा क्षेत्र में 7 स्टोन क्रेशर में से 6 के द्वारा डीलर का पंजीयन करा रखा है और रॉयल्टी के बाद रवन्ना द्वारा ड्रस्ट का नियमानुसार निर्गमन करते है। उन्होंने बताया कि चौहटन विधानसभा क्षेत्र में गत तीन वर्षों में अवैध खनन की 6 शिकायतें प्राप्त हुई है जिनमें 4 की जाँच पूरी हो चुकी है तथा दो की जाँच चल रही है। उन्होंने बताया कि अवैध खनन की रोकथाम हेतु सामान्य प्रक्रिया के तहत 64 प्रकरण दर्ज कर 90 लाख रुपये वसूल किये गये है। खान मंत्री ने यह भी आश्वस्त किया कि अवैध खनन की शिकायत ध्यान में लाई जाती है तो उसकी जाँच करवाई जायेगी। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र चौहटन में रॉयल्टी का ठेका श्री आनन्द सिंह के नाम है और इनकी कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है अगर इनके खिलाफ कोई शिकायत प्राप्त होती है तो इसकी जांच करवाई जाएगी।

इससे पहले विधायक श्री पदमाराम के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में खान मंत्री ने बताया कि विधान सभा क्षेत्र चौहटन में 30 खनन पट्टे स्वीकृत है और वर्तमान में 25 पट्टों में खनन कार्य हो रहा है। उन्होंने बताया कि उक्त विधानसभा क्षेत्र के खनन पट्टों से वर्ष 2020-21 में 51.26 लाख रुपये तथा चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 में दिनांक 15 फरवरी 2022 तक 65.44 लाख रुपये रॉयल्टी के प्राप्त हुए हैं। संवेदक द्वारा रॉयल्टी वसूल करने के प्रावधान राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियम, 2017 के नियम 44 में दिये गये है। उन्होंने संबंधित नियम 44 की प्रति सदन के पटल पर रखी। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र चौहटन में स्वीकृत खानों से विभाग को नियमानुसार रॉयल्टी प्राप्त हो रही है। अतः जांच की आवश्यकता नहीं है।

सहायक प्रशासनिक अधिकारी 27 हजार रुपए लेते ट्रेप

जयपुर। एसीबी ने आमेर तहसीलदार कार्यालय के सहायक प्रशासनिक अधिकारी को 27 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आया घूसखोर सहायक प्रशासनिक अधिकारी चंद्रशेखर प्रसाद है। आरोपी के खिलाफ परिवादी की ओर से एसीबी में शिकायत दी थी। शिकायत में कहा गया था कि परिवादी की भूमि से कब्जा हटवाने की एवज में सहायक प्रशासनिक अधिकारी चंद्रशेखर प्रसाद खुद और प्रभारी तहसीलदार सुभाष सिंह सेपट के लिए 60 हजार रुपए की रिश्वत की मांग कर परेशान कर रहा है। शिकायत को पुख्ता करते हुए एसीबी ने गुरुवार को ट्रैप का आयोजन किया।

अलवर के तिजारा जैन मंदिर के लिए 2.44 करोड़ के विकास कार्य स्वीकृतः पर्यटन मंत्री

हिलव्यू समाचार

जयपुर। पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि राज्य बजट 2021-22 के अन्तर्गत धार्मिक पर्यटन सर्किट के तहत अलवर स्थित तिजारा जैन मंदिर के विकास कार्य के लिए 2.44 करोड़ के कार्य स्वीकृत किए गए हैं।

सिंह ने प्रश्नकाल में विधायकों द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब देते हुए बताया कि इन विकास कार्यों के लिए विभाग द्वारा 20 जनवरी 2022 को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी कर दी गई है तथा कार्यकारी एजेन्सी पर्यटन विकास निगम द्वारा 20 लाख रुपये स्थानान्तरित भी कर दिए गए है। उन्होंने बताया कि केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा अलवर में आध्यात्मिक सर्किट के तौर पर अलवर में पाण्डुपोल हनुमान मंदिर के लिए 1.88 करोड़ तथा भृतहरि के विकास के लिए 120.14 लाख रुपये के विकास कार्य स्वीकृत किए गए थे लेकिन पर्यावरण विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं मिलने के कारण कार्य प्रारंभ नहीं हो पाया तथा केन्द्र सरकार ने इसे ड्रॉप कर दिया। उन्होंने आश्वस्त किया कि अलवर में पर्यटन संबंधी सभी बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन समय पर पूरा किया जाएगा।

इससे पहले सिंह ने प्रश्नकाल में विधायक श्री संजय शर्मा के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में बताया किराज्य बजट 2021-22 के अन्तर्गत धार्मिक पर्यटन सर्किट के तहत अलवर स्थित तिजारा जैन मंदिर के विकास कार्य स्वीकृत किए गए हैं।उन्होंने बताया किविभाग में बजट उपलब्धता एवं प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्यो हेतु युक्तियुक्त निर्णय लिया जाता है।उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2020-21 की अवधि में जिला अलवर के पर्यटन विकास हेतु राशि आवंटित नहीं की गई है।

विधानसभा में जिस बिल का बीजेपी ने विरोध किया उसका वसुंधरा समर्थक कैलाश मेघवाल ने समर्थन किया

पुराना काननू है, संशोधन जरूरीः कैलाश मेघवाल

हिलव्यू समाचार

जयपुर। विधानसभा में बीजेपी की गुटबाजी फिर सामने आ गई। बीजेपी विधायकों ने विधानसभा में जिस दंड प्रक्रिया संहिता संशोधन विधेयक का विरोध किया, उसका वरिष्ठ नेता कैलाश मेघवाल ने सदन में खुलकर समर्थन किया। कैलाश मेघवाल ने कहा कि पुराना काननू है, संशोधन जरूरी है। सरकार ने संशोधन बिल लाकर अच्छा किया है। हमें दोषी को सजा दिलाने के लिए पुराने कानूनों में बदलाव करने होंगे, आपने अमेंडमेंट लाकर अच्छा किया। आगे भी जरूरी होने पर इस तरह के अमंडमेंट बिल जरूर लाइए। हमें अपराधियों को जेल भेजने की पुख्ता तैयारी करनी पड़ेगी, कानून में कमी है तो सुधार करना पड़ेगा। मैं इस अमेंडमेंट का समर्थन करता हूं।

कैलाश मेघवाल ने आज पार्टी लाइन से अलग जाकर बिल का समर्थन किया तो सदन में कांग्रेस विधायकों ने टेबल थपथपाकर उनका स्वगत किया। मेघवाल के इस कदम की सियासी हलकों में खूब चर्चा हो रही है। कैलाश मेघवाल ने पिछले बजट सत्र में भी पार्टी लाइन से अलग जाकर सदन में भाषण दिया थ और सीएम की तारीफ की थी।

इधर, विधानसभा में बिल पर बहस नहीं कराने से नाराज बीजेपी विधायकों ने सदन से बहिष्कार किया। सरकार को वेंज एंड मींस के तहत 69 हजार करोड़ खर्च करने की अनुमति देने वाले विनियोग विधेयक पर बीजेपी विधायकों ने बहस की मांग की। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि स्पीकर ने इसे मुखबंद से पारित कराने की बात कही थी लेकिन अब इसे बदल दिया, किसी ने तैयारी नहीं की, अब इस पर बाद में चर्चा का वक्त तय हो। सभापति राजेंद्र पारीक ने कहा कि उन्हें स्पीकर से हुई चर्चा की जानकारी नहीं है, इतना कहकर बिल पारित करवाना शुरू कर दिया। नाराज बीजेपी विधायक बायकॉट करके चले गए, इस बीच सभापति ने सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दिया।

विधायक बिधूड़ी के एसएचओ को गालियां देने के वायरल ऑडियो के मामले में हंगामा

इससे पहले कांग्रेस विधायक राजेंद्र सिंह बिधूड़ी के एसएचओ को गालियां देने के वायरल ऑडियो के मामले में विधानसभा में शून्यकाल के दौरान जमकर हंगामा हुआ। बीजेपी विधायकों ने बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए सदन में जमकर हंगामा किया। बीजेपी विधायक अर्जुन जीनगर ने सबसे पहले यह मामला उठाते हुए कहा कि कांग्रेस विधायक बेलगाम हो गए हैं। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया और उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि ऐसी स्थिति में सरकार का कोई कर्मचारी काम ही नहीं कर सकेगा, इस तरह का व्यवहार करते हो। कर्मचारी क्या अपनी इज्जत पर बट्टा लगाकर काम करेगा। इस पर मंत्री को जवाब देना होगा। यह डूब मरने वाला काम हो गया। मुख्यमंत्री को जवाब देना चाहिए। इसके बाद बीजेपी विधायकों ने वेल में आकर हंगामा और नारेबाजी शुरू कर दी। उस समय सभापति जेपी चंदेलिया आसन पर थे, हंगामा होने पर स्पीकर सीपी जोशी को सदन में आना पड़ा। स्पीकर सीपी जोशी ने नियमों के तहत मामला लाने को कहा, इसके बाद सदन में शांति हुई।

ससंदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल ने कहा कि आप ऑडियो-वीडियो सुनकर बात कह रहे हैं, कैसे मान लेंगे कि यह सच है? उसकी जांच के बिना कैसे मान लें? ऑडियो आया है तो हम उसकी जांच करवाएंगे। वह आपको फेवर कर रहा है इसलिए आप उसे सच मान रहे हैं, हम उसकी जांच करवाएंगे, इसके बाद ही कोई बात होगी। संसदीय कार्यमंत्री शांति धारीवाल ने बिधूड़ी के ऑडियो की जांच करवाने का आश्वासन दिया।

hillviewsamachar@gmail.com

हिलव्यू समाचार

08

जयपुर >> सोमवार, 07 मार्च, 2022

क्यों न फूहड़ता परोसती आर्केस्ट्रा पार्टियाँ बैन ही हो जाएँ?

शालिनी श्रीवास्तव

छबड़ा (हिलव्यू समाचार)। छबड़ा कस्बे के नागेश्वर पहाड़ी पर हर वर्ष मेला तो लगता ही है,भजन संध्या,फूलों की होली, सांस्कृतिक, संगीतमय समारोह व कवि सम्मेलन भी आयोजित होते रहे हैं जो इस क्षेत्र को एक अलग पहचान देते रहे हैं। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिव-विवाह जैसे धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया किंतु सांस्कृतिक संध्या में ऐसा क्यों हुआ कि धार्मिक आस्था और नैतिकता को परे रखकर शहर की गरिमा और मर्यादा को ताक में रख दिया गया। कोटा का दशहरा मेला कई वर्षों से आयोजित होता रहा है यह वह मेला है जो सम्पूर्ण भारत में प्रसिद्ध है और इसके साथ-साथ कोटा एक आधुनिक व शैक्षणिक शहर है मगर वहाँ भी इतने वर्षों में कभी ऐसी प्रस्तुति दशहरा मंच पर नहीं हुई कि धार्मिक और नैतिक आस्था को चोट पहुँची हो या नगर निगम के अधिकारी या मेयर या जनप्रतिनिधि की नीयत और व्यवहार को इस तरह अश्लीलता परोसने के कटघरे में खड़ा किया गया हो किंतु छबड़ा एक क़स्बा है जहाँ के आमजन अभी इतने आधुनिक नहीं हुए कि इस तरह के कार्यक्रमों को साधारण रूप से ले सकें। यूँ तो बॉलीवुड के अलावा भारत का ऐसा कोई मेट्रो शहर या क़स्बा इतना मॉडर्न नहीं हुआ कि इस तरह के अर्धनग्न, अश्लील प्रदर्शन को सीन की डिमांड कहकर पचा सके। छबड़ा में आयोजित सांस्कृतिक समारोह में हुए नृत्य प्रदर्शन में अर्धनग्न वेशभूषा आलोचना व निंदा की आग लिए पूरे शहर में फैल गयी।

एक तरफ़ नगर पालिकाध्यक्ष के. सी. जैन ने इसे सिरे से खारिज़ किया कि अश्लीलता देखने वालों की निग़ाहों में थी वहीं दूसरी ओर अधिशासी अधिकारी सन्दीप गहलोत का फोन लगातार बन्द रहा। इस संबन्ध में हिलव्यू समाचार द्वारा छबड़ा नगरपालिका के अध्यक्ष, कुछ जनप्रतिनिधियों, नेताओं से टिप्पणी ली गयी ताकि सही पक्ष सामने आ सके।

धार्मिक कार्यक्रम हों या कोई भी समारोह अश्लीलता कहीं भी स्वीकार्य नहीं। सामाजिक मर्यादा और नैतिक ज़िम्मेदारी का ख़्याल रखना सभी का कर्तव्य है। जिनमें नगर का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिकारी व जनप्रतिनिधि सबसे ज़्यादा ज़िम्मेदारी वाली भूमिका में होते हैं। मैं इस आयोजन की कड़ी निंदा करता हूँ। धार्मिक आस्था और अस्मिता को ठेस न पहुँचे इस बात का भविष्य में ख़्याल रखा जाए।

प्रताप सिंह सिंघवी
विधायक छबड़ा

छबड़ा नगरपालिका का यह आयोजन निंदनीय है इस तरह के कार्यक्रम बेहद सोच समझकर व जाँच परखकर आयोजित करने चाहिए। आयोजन कमेटी को किसी भी पार्टी का चयन विशेष हिदायतों के साथ करना चाहिए ताकि ऐसी असमंजस की स्थिति न बने। मैं इस समारोह की कड़ी आलोचना करता हूँ। कोटा जैसे शहर में भी दशहरा 15 दिन चलता है जो विश्व प्रसिद्ध मेला है उसमें भी इस तरह के आयोजन नहीं हुए है आज तक भी।

करण सिंह राठौड़
पूर्व विधायक,छबड़ा

मैंने इससे एक दिन पूर्व का कार्यक्रम देखा था जिसका मुख्य अतिथि मैं ही था बेहद सुंदर और धार्मिक कार्यक्रम था। उसमें शिव विवाह का वर्णन था किंतु दूसरे दिन इस तरह की फूहड़ता परोसी गयी यह जानकर बेहद अफ़सोस हुआ है। नगरपालिका को इस त्रुटि के लिए जनता से माफ़ी माँगनी चाहिए। यूँ तो यह त्रुटि नहीं अपराध है। नागेश्वर पहाड़ी एक पवित्र व धार्मिक स्थल है इस बात का ख़्याल छबड़ा नगरपालिका आयोजकों को रखना चाहिए था।

बुलंद इक़बाल ख़ान
वरिष्ठ नेता कॉंग्रेस एवं पूर्व सरपंच गोड़िया मेहर

नागेश्वर पहाड़ी पर आयोजित यह कार्यक्रम कहीं से भी अश्लील नहीं था अगर ऐसा होता तो वहाँ बैठी सैकड़ों महिलाएँ उठकर चलीं जातीं। अश्लीलता देखने वालों की आँखों में होती है। मुझे इसमें कोई अश्लीलता नज़र नहीं आयी। बस मेरे ख़िलाफ़ माहौल बनाया जा रहा है अन्यथा यह सभी पार्षदों की सहमति से आयोजन किया गया है और सभी ने हॉल में इसका चयन देखकर व सोच समझकर सर्व सहमति से किया था। बात को बेवजह का तूल दिया गया है।

के.सी. जैन (छबड़ा नगरपालिका अध्यक्ष)

यह एक ग़लती नहीं अपराध है धार्मिक स्थल पर इस तरह के फूहड़ और अश्लील आयोजन होना निंदनीय है।

धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ है। छबड़ा नगरपालिका के इतिहास में इस तरह का आयोजन पहली बार हुआ है जो कि मर्यादा की हदें पार कर गया। यह बेहद शर्मनाक कृत्य है।

चंद्रप्रकाश गेरा
पूर्व उपाध्यक्ष नगरपालिका
छबड़ा

नागेश्वर पहाड़ी पर हर वर्ष महाशिवरात्रि पर कार्यक्रम आयोजित होते आये हैं जो कि संस्कृति,धर्म और आस्था को बढ़ावा देते रहे हैं। छबड़ा हमेशा से इन आयोजनों के लिए आसपास के क्षेत्रों में एक विशेष सकारात्मक पहचान रखता आया है किंतु इस के आयोजन के बाद छबड़ा की गरिमा और मर्यादा को बहुत ठेस पहुँची है जो बेहद शर्मनाक है।

आसिफ असाड़ी
वार्ड नं. 26 जनप्रतिनिधि छबड़ा

देखो आया फाग...

नटखट अलि हैं झूमते , मादक मदिरम राग !
बहका किंशुक पुष्प है , देखो आया फाग !!

उजली निखरी चांदनी , तारे मालामाल !
महुआ महकी सेज पर , खेले चाँद गुलाल !!

सतरंगी आंधी चली , कोयल कूके डाल !
झूमे रे किंशुक कुसुम , बहकी सजनी चाल !!

हुलसाए सजनी हिया , घुली पवन में भंग !
पुष्प डाल नर्तन करें , पत्ते थाप मृदंग !!

रसवंती खुशियां हुई , क्रोध गया अवकाश !
ढलते सूरज को धरा , बांध रही भुजपाश !!

ढप ढोलक झाँझर सखी , नैना छाने भंग !
सजनी को अच्छा लगे , साजन का हुड़दंग !!

नटखट नभ मदिरम हुआ,अलसाई सी शाम!
धरती मन ही मन जपे,अम्बर तेरो नाम!!

केश बिखेरे है निशा,सोंधी माटी गंध!
सांझ सुरमई हो गई,खोले बाजू बंद!!

तितली मधुप विभोर हैं,पुष्पों में अनुराग!
घट घट ज्योत पिया बसें, बिखरा प्रेम पराग!!

जयोत्सना सक्सेना
लेखिका,कवयित्री
जयपुर

मैंने भी खंज़र फैंक दिया...

यह जानकर मैने भी खंज़र फैंक दिया है।
किसी के तीर की जद में मिरा सीना भी रहता है।।
बड़ा तूफ़ान ला सकता हूँ तिरा जहाज़ डुबाने।
समंदर में मेरा सफ़ीना भी रहता है।।
तपन से हो मुतासिर गालियाँ सूरज को मत देना।
साल में इक पौष का महीना भी रहता है।।
इत्र की ख़ुशबू तुम्हें हर पल मुबारक हो।
मैं दहकां हूँ मेरे तन में तो पसीना भी रहता है।।
इस खंडहर में साँप और बिच्छू ही नहीं हैं।
मिरे अज़दाद की यादों का दफ़ीना भी रहता है।।

महेन्द्र सिंह यादव, खुरई

किसानों को फसल बीमा योजना की क्लेम राशि का भुगतान कराने के लिए सरकार कटिबद्धः कृषि मंत्री

हिलव्यू समाचार

जयपुर। कृषि मंत्री लाल चन्द कटारिया ने बुधवार को विधानसभा में आश्वस्त किया कि राज्य सरकार किसानों की फसल बीमा की क्लेम राशि मय 12 प्रतिशत ब्याज सहित भुगतान कराने के लिए कटिबद्ध है।

कटारिया प्रश्नकाल में विधायकों द्वारा इस संबंध में पूछे गये पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि यह सही है कि 161 करोड 78 लाख बीमा क्लेमों का भुगतान 58 हजार 901 फसल बीमा पॉलिसी धारकों को किया गया है। उन्होंने कहा कि फसल बीमा व्यवसाय एग्रीकल्चर इंश्योरेन्स कम्पनी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा कुछ विसंगतियां बताकर भुगतान को रोका गया है।

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व दिवस पर आयोजित हुआ महिला सम्मान समारोह

'सम्मान नारीत्व का' में हुआ 31 महिलाओं का सम्मान

हिलव्यू समाचार

जयपुर। श्री बाबा बालकनाथ सेवा संस्थान, श्री बाला जी गोशाला संस्थान सालासर चुरू राजस्थान के साथ शिवांक ग्रुप की मैनेजिंग डायरेक्टर ऋतु उमेश अग्रवाल ने अपने कुशल नेतृत्व में अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस के पूर्व दिवस पर 31 महिलाओं का 'सम्मान नारीत्व का' सम्मान समारोह आयोजित किया।

आयोजक ऋतु उमेश अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रतापसिंह खाचरियावास मंत्री खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग उपभोक्ता मामले विभाग केबिनेट मंत्री,विशिष्ट अतिथि पंडित सुरेश मिश्रा समाजसेवी,मनोज मुदगल जनप्रतिनिधि, नीरजा चौधरी एसोसिएट प्रोफेसर एंड मॉडल ने शिरकत की।

आयोजक कमेटी में मुख्य संरक्षक श्री रविशंकर पुजारी, संरक्षक ओम गोदारा, संयोजक रजनी दिनेश माथुर, सपना राहुल जैन, नवल किशोर गुप्ता व मीनाक्षी गुप्ता, सह संयोजक पुखराज प्रजापति, रेखा गोयल, प्रियंका गोयल, मुख्य सदस्य मीनाक्षी चौधरी, बसन्त जैन बैराठी,माला खत्री, श्वेता अग्रवाल, कृतिका गुप्ता सदस्य हैं।

कार्यक्रम की शानदार फोटोग्राफी अक्षित मित्तल ने की व मंच का कुशल संचालन ब्रांड एंकर व मॉडल कुलदीप गुप्ता ने किया।

स्पेशल अतिथि में विकास सक्सेना, कौशल्या प्रजापति,राहुल शर्मा, एकलव्य सिंह, ममता भार्गव, शालिनी श्रीवास्तव शैलेजा बंसल, ममता शर्मा, भारती शर्मा, शिखा पारीक, स्नेहलता भारद्वाज, रेवल गौतम, सीमा चौहान व यश गौड़ ने शिरक़त की।

31 महिलाओं अलका अजमेरा, अनिता मीणा, दमयंती सोलंकी, इंदु गोयल, डॉ ज्योति, खुशबू शर्मा, कृष्णा दाधीच, लता देवनानी, लक्ष्मी शर्मा, मंजू साबू, नज़्मा बेगम, नैज़ा सैमी, नीतू जैन, पूनम सिंह, प्रज्ञा सोनी, रुचि कपूर, रुचि साधवानी, रेखा बस्सी, रजनी कोठारी, रेखा कुटेटा, डॉ सोनल शर्मा स्वाति माव, संतोष भाटी, सरिता शर्मा, सोनिया गर्ग, डॉ शालिनी माथुर, अन्ना अशोक, अर्चना मीणा, विजय लक्ष्मी माथुर व वीणा परिहार ने नारीत्व का सम्मान अवार्ड प्राप्त किया। ये सम्मान उन महिलाओं का किया गया जिन्होंने अपने अपने क्षेत्रमें उत्कृष्ट कार्य किए हैं।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध युद्ध में 50 दिन से सुजानगढ़ में लगातार धरने पर अकेला डटा है नरेंद्र गुर्जर

50 दिन से लगातार धरने पर बैठकर प्रशासन और शासन दोनों की नींदें उड़ा दीं हैं एक अकेले व्यक्ति ने लेकिन भ्रष्टाचार की जड़ें ज़मीन पकड़ चुकीं हैं। फैल गयीं हैं भीतर ही भीतर गहरे तक लेकिन उनको काटते नहीं थक रहा नरेंद्र गुर्जर

हिलव्यू समाचार

सुजानगढ़। बेसहारा पशुओं को संरक्षण, पट्टा वितरण में हो रही धांधली, सुजानगढ़ शहर में हो रहे अवैध कॉन्प्लेक्स के ख़िलाफ़ चल रहा नरेंद्र गुर्जर का एकला-धरना आज 50वें दिन जारी रहा। धरने के 50वें दिन मुख्यमंत्री सहित कई अधिकारियों को ज्ञापन भेजा गया ।

धरने के 48 वें दिन भाजपा नेता नरेंद्र गुर्जर ने संभागीय आयुक्त कार्यालय बीकानेर के कार्यालय में उपस्थित होकर धरने संबंध में मांगों का ज्ञापन सौंपा। गुर्जर ने संभागीय आयुक्त से मिलकर की धरने के संबंध जानकारी दी। 49 दिन से धरना चलने के बाद ही सुजानगढ़ नगर परिषद सुजानगढ़ प्रशासन और चूरू जिला प्रशासन अनदेखी कर रहा है और जनहित की समस्याओं पर न तो कोई सकारात्मक कदम उठा रहा है न ही वार्ता या अन्य किसी माध्यम से आकर समस्या जानना चाह रहा है। गुर्जर ने संभागीय आयुक्त को जल्द से जल्द संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर तीनों जन समस्याओं का समाधान करवाया जाने का निवेदन किया जिस पर संभागीय आयुक्त नीरज के पवन ने तुरंत संज्ञान लेते हुए अतिरिक्त जिला कलक्टर को समुचित सुनवाई कर समस्या समाधान करने के निर्देश दिए और संभागीय आयुक्त नीरज के पवन ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुजानगढ़ से टेलीफोनिक वार्ता भी की और टेलीफोन पर भी तुरंत समस्या समाधान के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर से वार्ता

संभागीय आयुक्त से वार्ता

2 दिन पूर्व भी भाजपा नेता नरेंद्र गुर्जर जयपुर में स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक से मिलकर स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक को भी ज्ञापन सौंपकर तुरंत समस्या समाधान की मांग की थी इस संबंध में अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुजानगढ़ ने दिनांक 11 फरवरी 2022 को नगर परिषद आयुक्त को पत्र लिखकर उक्त समस्याओं का समाधान करने के भी निर्देश दिए थे गुर्जर ने बताया मांगों के संबंध में दिनांक 10 जनवरी 2022 को अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुजानगढ़ सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों को इन तीनों मांगे पूरी करने का निवेदन किया था और इसी पत्र में 15 जनवरी 2022 से अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने की चेतावनी भी दी थी समस्या समाधान नहीं करने पर दिनांक 15 जनवरी 2022 से नगर परिषद कार्यालय सुजानगढ़ के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया गया। भाजपा नेता नरेंद्र गुर्जर ने बताया कि बेसहारा पशुओं के आंतक से शहर में आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है यहां तक कि कुछ लोग तो बेसहारा पशुओं के आंतक से अपनी जान भी गंवा चुके हैं । इस समस्या के लिए पूर्व में भी नरेंद्र गुर्जर 3 बार भूख हड़ताल कर चुके हैं । हर बार अधिकारी आश्वासन देते हैं लेकिन इस समस्या के समाधान के लिए कोई सकारात्मक कदम भी नहीं उठाते इसी संबंध में भूख हड़ताल के कारण मुख्यमंत्री कार्यालय से दिनांक 17 मार्च 2021 को मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव ललित कुमार ने जिला कलेक्टर को पत्र भेजकर समस्या समाधान के निर्देश दिए गए थे उसके बाद जिला कलेक्टर सांवरमल वर्मा खुद वार्ता के लिए आए और उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि समस्याओं का समाधान किया जाए फिर भी समस्या जस की तस बनी हुई है

मैं जिम्मेदार अधिकारियों से पूछना चाहता हूँ कि नोटिस की समय सीमा क्या है? मैं पिछले 50 दिनों से धरने पर बैठा हूँ फिर भी नोटिस से आगे की कार्रवाई के लिए कितना और इंतज़ार करना पड़ेगा।

नरेंद्र गुर्जर,
सुजानगढ़

इसके अलावा नगर परिषद के भ्रष्टाचार के बारे में

- गुर्जर ने बताया कि शहर अंदर लगभग 10 से 12 अवैध व्यवसायिक निर्माण अभी भी जारी हैं।
- जिन अवैध व्यवसायिक निर्माणों में न तो पार्किंग छोड़ी गई है।
- और ना ही सेटबैक मुख्य मार्केट के रास्ते वैसे भी निकलना मुश्किल है।
- यह अवैध व्यवसायिक कंपलेक्स बन जाएंगे तो लोगों को आम रास्ते से पैदल निकलना भी भारी हो जाएगा लेकिन सैकड़ों शिकायतों व 50 दिनों के धरने के बाद भी के बाद भी नगर परिषद कार्रवाई नहीं कर रही है। केवल जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा यह कहा जा रहा है कि हमने नोटिस दे दिए हैं।

राजस्थान सरकार द्वारा प्रशासन शहरों के संग अभियान में पट्टा वितरण का जो कार्यक्रम चलाया गया है। यह अभियान कार्यक्रम पूरी तरह लापरवाही की भेंट चढ गया। केवल रसूखदार लोगों के ही पट्टे जारी हुए हैं। आम आदमियों का पट्टा जारी होना तो दूर की बात है लेकिन परिषद कार्यालय के अंदर जमा कराई गई पट्टे की फाइलें भी कार्यालय में मिल भी नहीं रहीं और लोग हर रोज अपनी फाइल घूमने के लिए चक्कर काट रहे हैं जबकि इस समस्या को लेकर सत्तापक्ष कांग्रेस के सभापति और नगर परिषद आयुक्त आपस में एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते नजर आ रहे हैं। यहां तक कि हाल ही में हुई बजट बैठक में भी नगर परिषद के सभापति प्रतिनिधि (सभापति ससूर) इदरीस गौरी ने बजट बैठक में यह तक कह दिया था कि नगर परिषद के कर्मचारी निकम्मे नकारा है इनकी वजह से पट्टे के काम नहीं हो रहे हैं जिस पर नगर परिषद आयुक्त सहित पूरा नगर परिषद स्टॉप धरने पर बैठ गया और पेन डाउन कर दिया नगर परिषद आयुक्त ने कहा कि हमारे कर्मचारियों को नकारा निकम्मा कहने वाले सभापति प्रतिनिधि को माफी मांगनी पड़ेगी । इस तरह यह नाटक काफी वक्त खा गया।

संभागीय आयुक्त और स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक के पास उपस्थित होकर जन समस्या समाधान करने व न्याय की मांग की है।

गुर्जर ने कहा कि लोकतंत्र में जिस तरह का अधिकारियों व नेताओं का 50 दिनों के बाद भी ध्यान नहीं देना और समस्या समाधान का प्रयास नहीं करने से लग रहा है कहीं ना कहीं व्यवसायिक अवैध निर्माण करने वालों से नगर परिषद अधिकारियों की सांठगांठ है और यह बड़ा भ्रष्टाचार का मामला है और इसमें कहीं ना कहीं अधिकारी व नेता लोग लिप्त है जो व्यवसायिक अवैध निर्माण करने वालों को बचाने में लगे हुए हैं।इस संबंध में विभिन्न लोगों द्वारा अनेक को शिकायतें दर्ज करवाई गई हैं। यह काम खुलेआम धड़ल्ले से नगर परिषद की नाक के नीचे चल रहा है।इस मांग को लेकर 50 दिन से लगातार धरना तो चल ही रहा है जब तक जनहित की मांगों को नहीं मानी जाएगा तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक **रिज़वान एजाज़ी के लिए** अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं महिमा क्लासिक 601, बी-84, रमन मार्ग, तिलक नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव, सह-संपादकः हरीश श्रीवास्तव (छबड़ा बारां) फोन : 0141-2620340 मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) **hillviewsamachar@gmail.com**